हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 347 | बेमेतरा, रविवार 03 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

वह दिन दूर नहीं जब देश के नक्शे से गायब हो जाएगा हिमाचल !

● सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश के पर्यावरण विनाश पर जताई चिंता ● कहा-बिना वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकास नहीं रुका तो आएगी सुनामी

शिमला (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में पर्यावरणीय विनाश और अनियंत्रित विकास पर गहरी चिंता जताई। एससी की डबल बैंच ने कहा कि, यदि हिमाचल में निर्माण कार्य और विकास योजनाएं इसी तरह बिना वैज्ञानिक दृष्टिकोण के चलती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा, भगवान करें कि ऐसा न हो। दरअसल, एससी में एमएस प्रिस्टिन होटल्स एंड रिजार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक याचिका पर बीते शुक्रवार को सुनवाई कर रहा था। इस दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने

यह टिप्पणी की। एससी ने याचिकाकर्ता की पिटीशन को खारिज करते हुए पर्यावरण एवं पारिस्थितिकीय मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लिया और इसे इसे जनहित याचिका माना। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार को 4 सप्ताह में विस्तृत जवाब देने को कहा है। इसे लेकर राज्य के मुख्य सचिव और केंद्रीय वन मंत्रालय को पत्र लिखा गया है। इस मामले में 25 अगस्त को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की सुनवाई करते हुए हिमाचल सरकार द्वारा ग्रीन एरिया घोषित करने वाली अधिसूचनाएं जारी करने को अच्छा प्रयास बताया।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल डोप टेस्ट के लिए तैयार

● वकील बोले-जो नेता नशे का आरोप लगा रहे वह भी टेस्ट करवाएं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बंद खडूर साहिब से सांसद और वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने अपने ऊपर लगे नशे के आरोपों पर बड़ा बयान दिया है।

उनके वकील इमान सिंह खरा ने मंगलवार को कहा कि अमृतपाल सिंह डोप टेस्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं और चाहते हैं कि वे नेता भी अपना डोप टेस्ट करवाएं जो उन पर नशे के आरोप लगा रहे हैं।

ऑपरेशन अखल में बड़ी सफलता, कुलगाम में तीन आतंकी ढेर

● कश्मीर घाटी में सेना चुन-चुनकर दहशतगर्दों का कर रही है सफाया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना आतंकवाद को नेस्तनाबूद करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी कड़ी में सेना ने ऑपरेशन 'ऑपरेशन अखल' चला कर तीन आतंकवादी को मार गिराया है। पहलगाम के बाद, सेना ने घाटी में पिछले 100 दिनों में चुन-चुनकर करीब 12 मोस्ट वांटेड आतंकियों को मार गिराया है। सुरक्षाकर्मियों ने 28 जुलाई को 'ऑपरेशन महादेव' चलाया, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के 3 आतंकी मारे गए। आतंकवादियों में मास्टरमाइंट मूसा भी ढेर हो गया था।

द केरल स्टोरी' को पुरस्कार मिलने पर भड़के सीएम विजयन

● बोले- फिल्म को सम्मानित करना केरलवासियों का अपमान है

मुंबई (एजेंसी)। सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी का पुरस्कार मिला, जिसके बाद केरल सरकार ने इसकी कड़ी आलोचना की। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस फैसले की निंदा करते हुए इसे भारतीय सिनेमा की महान परंपरा का अपमान बताया। सीएम पिनाराई विजयन ने पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा एक ऐसी फिल्म को सम्मान देना गलत है जो केरल की छवि को खराब करती है।

गुरुग्राम लैंडडील, रॉबर्ट वाड्रा को कोर्ट का नोटिस

● साढ़े 7 करोड़ की जमीन 58 करोड़ में बेचने का आरोप

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा में गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में जमीन सौदे और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा समेत अन्य आरोपियों को नोटिस जारी किया है। यह

नोटिस अगली सुनवाई से पहले आरोपियों को अपनी बात कोर्ट में रखने के लिए भेजा गया है। अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। शनिवार की सुनवाई में विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने प्रवर्तन निदेशालय की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों को नोटिस भेजा। बता दें कि ईडी ने हाल ही में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोपपत्र दायर किया था। उन पर साढ़े 7 करोड़ में खरीदी जमीन 58 करोड़ में बेचने का आरोप है।

प्रज्वल रेवन्ना को रेप केस में मिली उम्र कैद की सजा

● बेंगलुरु कोर्ट ने पीड़ित को 7 लाख देने को कहा

पूर्व प्रधानमंत्री के पोते को कल दोषी ठहराया था

मैसूरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने रेवन्ना पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। साथ ही पीड़ित को 7 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने शुक्रवार को रेवन्ना को दोषी ठहराया था। रेवन्ना ने कोर्ट में कम सजा देने की अपील करते हुए दावा किया था कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दरअसल, रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने पिछले साल अप्रैल में रेवन्ना के खिलाफ एफआईआर

दर्ज कराई थी। इसमें रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी।

आईपीएस बिनीता ठाकुर बनेंगी सीआईएसएफ की एडीजी

केंद्र की सरकार ने राजस्थान के मुख्य सचिव को भेजा पत्र

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान कैडर की सीनियर आईपीएस ऑफीसर बिनीता ठाकुर को केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ की नई एडीजी नियुक्त किया है। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद राजस्थान के मुख्य सचिव को एक पत्र भेजा गया है। पत्र में लिखा है कि आईपीएस बिनीता ठाकुर को जल्द से जल्द

राजस्थान से कार्यमुक्त किया जाए ताकि वे अपने नए पद पर जॉइनिंग कर सके। बिनीता ठाकुर 1996 बैच की आईपीएस अफसर हैं। अलवर की रहने वाली बिनीता वर्तमान में पुलिस हाउसिंग की एडीजी हैं।

अब किसान महोत्सव के बहाने 'चुनावी उत्सव' मना गई भाजपा !

● बिहार के 76 लाख परिवारों तक पहुंच गया बीजेपी का संदेश

पटना (एजेंसी)। योजनाओं पर चुनावी रंग चढ़ाना तो कोई भाजपा से सीखे। पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन के दौरान योजनाओं की बौझार हो या फिर केंद्रीय मंत्री के आगमन के साथ योजना के जरिए एक बड़े वर्ग को प्रभावित करने का मौका, भाजपा ऐसे मौके नहीं छोड़ती। आज ऐसा ही नजारा बापू सभागार में दिखा। भाजपा प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस को राजधानी में परोक्ष रूप से बिहार विधानसभा चुनाव के

ऐन मौके पर इसे प्रचार दिवस के रूप में मनाती दिखी। पटना के बापू सभागार में 'प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस' के आयोजन के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपमुख्यमंत्री व कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित कई गणमान्य मंत्री और अधिकारी के सामने तकरीबन 5000 से अधिक किसानों ने भाग ले कर चुनावी समा बांध दी।

'ऑपरेशन सिंदूर' बाबा विश्वनाथ को समर्पित

● काशी में बोले पीएम मोदी-मैंने अपना वादा पूरा किया ● कहा-महादेव का एक रूप कल्याण है तो दूसरा रौद्र है

बनारस (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित करते हुए इसे एक पूरा किया गया वादा बताया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की निर्मम हत्या के जवाब में चलाए गए इस ऑपरेशन को प्रधानमंत्री ने बेटियों के सिंदूर का बदला कहा। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा,यह हमला मेरे

लिए बेहद दर्दनाक था। खासकर उन महिलाओं के लिए जिनके सुहाग उजड़ गए। मैंने वचन दिया था कि मैं उनकी मांग का सिंदूर नहीं मिटने दूंगा। महादेव की कृपा से यह पूरा हुआ है।

लखपति दीदी का आंकड़ा सुनकर सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे

मोदी ने कहा-हमारा देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। लक्ष्य का आधा काम पूरा कर लिया। ये आंकड़ा सुनकर सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे। सरकार के ड्रोन दीदी अभियान ने लाखों लोगों की आय बढ़ाई है। अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें आतंकियों को तबाह कर देंगीं। आज यूपी इतनी तेजी से विकास कर रहा है। सपा के समय में यूपी में अपराधी बेखौफ थे। निवेशक यूपी आने से डरते थे। भाजपा की सरकार में अपराधियों में खौफ है। आज निवेशक यूपी में भरोसा देख रहे हैं।

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर को कोई तमाशा कह सकता है। हमारी सेना का पराक्रम और बहनों के सिंदूर का बदला... तमाशा कहने की ये हिम्मत...ये निर्लज्जता...वोटबैंक और तुष्टीकरण की इस राजनीति में सपा भी पीछे नहीं है। सपा के नेता संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा। अब बताइए, मैं फोन करके इनसे पूछूं। ये वही लोग हैं जब यूपी में सत्ता में थे तो आतंकियों को क्लीनचिट देते थे। बम धमाके करने वालों से मुकदमे वापस लेते थे। मैं काशी की धरती से कहना चाहता हूं। ये नया भारत है। भोलेनाथ को भी पूजता है। दुश्मनों के सामने काल भैरव भी बन जाता है। विरोधी संसद में कह रहे थे कि

पहलगाम के आतंकियों को क्यों मारा। क्या सपा वालों को फोन करूं क्या। क्या आतंकियों को भागने का मौका देना चाहिए था। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आज भी आईससीयू में पड़े हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख सपा और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा। उधर, आतंक का आका रोता है। इधर कांग्रेस-सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं। कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है।

बिहार के वोटर लिस्ट से नहीं कटा है तेजस्वी यादव का नाम

● सबूतों के साथ मैदान में उतरा चुनाव आयोग, दिए हर सवाल के जवाब

पटना (एजेंसी)। बिहार के वोटर लिस्ट से तेजस्वी यादव का नाम नहीं कटा है। पटना जिला प्रशासन ने तेजस्वी यादव के आरोपों को गलत बताया है। प्रशासन की ओर से सबूत देकर तेजस्वी यादव के आरोपों का जवाब दिया गया। वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने को लेकर तेजस्वी यादव ने मीडिया के सामने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे, इसके बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले की पड़ताल कराई, जिसमें तेजस्वी के आरोप गलत पाए गए। तेजस्वी यादव

का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया गया है। उनका मतदान केंद्र बदल दिया गया है। पटना के जिलाधिकारी ने बताया कि तेजस्वी यादव का नाम मतदाता सूची में है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया था कि उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसके बाद चुनाव आयोग तुरंत हरकत में आया। आयोग ने बताया कि तेजस्वी यादव का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया गया है। उनका मतदान केंद्र बदला गया है। पहले उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 171 पर था। अब उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 204 पर है।

अरुण जेटली ने किसान कानून पर लोगों को धमकाया था

● राहुल बोले-उन्होंने कहा था विरोध करोगे तो कार्रवाई होगी

बेटे ने कहा-उनकी मौत के सालभर बाद यह कानून आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को किसान कानून और सरकार का विरोध करने पर पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली पर धमकाने का आरोप लगाया। राहुल ने कहा कि मुझे याद है कि जब में किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ लड़ रहा था, तो अरुण जेटली को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया था। राहुल ने बताया कि जेटली ने उनसे कहा था कि तुम सरकार के खिलाफ विरोध करना जारी रखोगे और किसान कानूनों के खिलाफ लड़ोगे तो तुम्हारे खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, इसके बाद मैंने जेटली की तरफ देखा और कहा कि आपको कोई भी आइडिया नहीं है कि आप किससे बात कर रहे हैं।

● जो हमारे बीच नहीं,उनके लिए सोच-समझकर बोलना चाहिए- रोहन जेटली ने कहा कि ऐसे लोग जो अब हमारे बीच नहीं हैं, उनके बारे में बोलते वक्त सोच-समझकर बोलना चाहिए। राहुल गांधी ने पहले भी मनोहर परिकर जी के अंतिम दिनों पर भी राजनीति की थी, जो बहुत ही गलत था। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैं राहुल गांधी को याद दिलाना चाहता हूं कि अरुण जेटली जी का निधन 24 अगस्त 2019 को हुआ था, जबकि कृषि कानून 17 सितंबर 2020 को लोकसभा और 20 सितंबर 2020 को राज्यसभा में पास हुए थे। जब ये बिल संसद में लाए गए, तब तक अरुण जेटली जी का निधन हो चुका था। अरुण जेटली भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वे मोदी सरकार में वित्त मंत्री थे।

मालेगांव ब्लास्ट में मोदी का नाम ले लो तो तुम्हें नहीं पीटेंगे, छोड़ देंगे...प्रज्ञा ठाकुर का हैरान करने वाला खुलासा

नईदिल्ली । तत्कालीन यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस झूठे मामले के पीछे है, जो भगवा और सशस्त्र बलों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। इसे धर्म की जीत बताते हुए प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस ने अपनी साजिश के तहत यह झूठा मामला दर्ज कराया। इसका कोई आधार नहीं था।

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा प्रज्ञा ठाकुर को बरी किए जाने के कुछ दिनों बाद, पूर्व भाजपा सांसद ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और अन्य के नाम लेने के लिए मजबूर किया गया और प्रताड़ित किया गया।

उन्होंने कहा कि मैंने सब कुछ लिखित में दे दिया है और उन सभी के नाम भी बताए हैं जिनका नाम लेने के लिए मुझे मजबूर किया गया था। वे कहते रहे, 'इन लोगों के नाम बताओ तो हम तुम्हें नहीं मारेंगे।' उनका मुख्य उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था। तत्कालीन यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस झूठे मामले के पीछे है, जो भगवा और सशस्त्र बलों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। इसे धर्म की जीत बताते हुए प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस ने अपनी साजिश के तहत यह झूठा मामला दर्ज कराया। इसका कोई आधार नहीं था। कांग्रेस धर्म विरोधी है। यह आतंकवादियों को पालने वाली पार्टी है। कांग्रेस कभी राष्ट्रवादी पार्टी नहीं बन सकती। प्रज्ञा ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा नहीं दी गई - बस इतना ही कि मैं किसी तरह चल सकूँ।

उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए आज मेरी यह हालत है। मैं अंदर से पूरी तरह कमज़ोर हो गई हूँ। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के सत्रह साल बाद, विशेष एनआईए अदालत ने गुरुवार को ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। आतंकवाद निरोधक कानून एजेंसी पर निशाना साधते हुए विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

हेमा जय दिवाकर अध्यक्ष जनपद पंचायत बेमेतरा सम्मान समारोह मे हुये शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बहेरा मे बीते दिवस हिरऊ कुमार जांगड़े जिला मंत्री भारतीय किसान संघ, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य युवा प्रकोष्ठ प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के जन्मदिन के अवसर पर मेघावी छात्र छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस बिच मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित हेमा जय दिवाकर नें इस कार्यक्रम का सराहना करते हुये ग्राम पचांयत को धन्यवाद ज्ञापित कर शिक्षा के महत्व को बताते हुये राजनितिक पर भी कैरियर गाइड बच्चों को बताये और हिरऊ कुमार जांगड़े को जन्मदिन कि शुभकामनायें देते हुये समाज के उत्थान मे हमेशा अग्रसर रहकर समाज सेव करने कि बधाई दिये साथ ही जन्मदिन के अवसर पर स्कुल मे नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विधानन्द ठाकुर मत्स्य विभाग (रिटायर्ड) व जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ अपने उद्बोधन मे सभी सम्मानित बच्चों को बधाई देते हुये हिरऊ जांगड़े को जन्मदिन कि सुभकामनाये दिये और परीक्षा को समझाते हुये सभी बच्चों को बधाई दिये मंच मे उपस्थित ग्राम सरपंच श्रीमती सविता धनेश साहू आगे भी बच्चों के प्रति ऐसे ही कार्य कर बच्चों को आगे बढ़ाने कि बात कही मंचासीन उपसरपंच श्रीमती आरती बघेल द्वारा अपने उद्बोधन मे परीक्षा के महत्व को विस्तार पूर्वक बच्चों को बताया गया और कभी भी परीक्षा से नहीं डरने कि संदेश बच्चों को दिये अपने बात रखते हुये आत्मान्द सारथी पंच नें सभी बच्चों को बधाई देते हुये अपने जीवन मे हमेसा आगे बढ़ते रहने व संघर्ष कर हर उस चीज को पाया जा सकता हैं जो तुम चाहते हो संघर्ष से बड़े बड़े सपने पुरे किये जा सकते हैं बच्चों संघर्ष से पीछे मत हटाना कहकर हिरऊ जांगड़े को जन्मदिन कि पुनःबधाई दिये वही हिरऊ कुमार जांगड़े अपने उद्बोधन मे सभी आये हुए नागरिकों एम पंच सरपंच सचिव को धन्यवाद ज्ञापित किये सभी ग्रामीण मिलकर श्रीमती हेमा जय दिवाकर का भव्य स्वागत अभिनन्दन किये सम्मानित बच्चें कु चाँद बंजारे, कु पायल जांगड़े नम्रता जांगड़े हितेश धनंजय दुस्यंत वर्मा दुस्यंत साहू हेमंकर साहू कुणाल मानिकपुरी. प्रिंस, हिरेन्द्र यादव नीलम निषाद, कार्यक्रम मे ग्राम बहेरा के पंच गण श्रीमती सीमा साहू,श्रीमती मोंगरा पात्रे, श्रीमती एम एस मांडले वार्ड 10, श्रीमती आरती पवन बघेल उपसरपच, श्रीमान हिरेन्द्र, श्रीमान सरजू साहू, श्रीमान नेमदास बंजारे,श्रीमान सुरेश पात्रे,अनंदराम जांगड़े श्रीमती गिरजा जांगड़े कु नेहा पात्रे कु अंजू पात्रे, जगदीश जांगड़े,श्रीमती शिला जांगड़े, डाली जांगड़े कु ममता कुरै मंजू कुरे, जामबई कुरै,अमरीका कुर्रे तोपसींग जांगड़े राजेंद्र पात्रे एवं समस्त ग्रामीण उपस्थित रहेंद्य

"पहल" अभियान के तहत मुंगेली पुलिस ने 8010 विद्यार्थियों को

मुंगेली/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के कुशल निर्देशन में मुंगेली पुलिस द्वारा ÷पहल÷ अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। इस जन-जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपराध, नशा, साइबर अपराध तथा यातायात नियमों के प्रति सजग करना एवं उनके सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। अब तक जिले के 24 विद्यालयों में आयोजित कार्यशालाओं में लगभग 8010 विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर इस कार्यक्रम का लाभ उठाया है। कार्यशालाओं में बच्चों को सच्ची घटनाओं और कहानियों के माध्यम से सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारी शोभा यादव, शत्रुहन खुंटे, बबीता श्रीवास, एवं पुलिस बाल मित्र रोशना डेविड उड़ान जीएस सो महासमुंद ने महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। इनमें साइबर अपराध, यातायात नियमों का पालन, नशामुक्ति, तथा महिला और बाल सुरक्षा जैसे विषय प्रमुख रहे। छात्रों को पॉस्को एक्ट, आत्म-सुरक्षा की तकनीक, और अनुशासित व लक्ष्यपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही शिक्षा, सुविचार, एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन शैली अपनाने की समझ भी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस विभाग, विद्यालय प्राचार्यगण एवं शिक्षकगणों का सराहनीय सहयोग रहा। यह अभियान ना केवल छात्रों को जागरूक कर रहा है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी मजबूत कदम है ।

छत्तीसगढ़ से बजरंगी महानदी के जल लेकर पहुंचे बाबा बुढ़ा अमरनाथ

कांकेर /मूक पत्रिका

बजरंग दल की साहसिक और राष्ट्रीय यात्रा बाबा बुढ़ा अमरनाथ चट्टानी की यात्रा का पांचवां दिन छत्तीसगढ़ से भी बजरंगी पूंछ पहुंच कर छत्तीसगढ़ की प्रणदायनी नदी महानदी के जल से बाबा बुढ़ा अमर नाथ चट्टानी का अभिषेक करेंगे, यह यात्रा जम्मू के राजौरी और पूंछ में स्थित अल्प संख्यक के रूप में हिन्दू समाज के सामर्थ, साहस को बढ़ाने के लिए संकल्पित बजरंग दल के द्वारा 2005 से लगातार की जा रही है देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ता कटिबद्ध है और सम्पूर्ण जम्मू में निवास हिन्दू समाज के शौर्य साहस का जागरण हो, आतंकवादीयो द्वारा जम्मू को भारत से काटने के जो स्वपन देखा जा रहा है उन्हें यह अहसास दिलाने की हमारा यह पुण्य भूमि भारत के किसी भी हिस्से को हम मां भारती से अलग नहीं होने देंगे ऐसा प्रण लेकर यात्रा की जाती है यात्रा में प्रमुख रूप शुभम कुमार नाग (यात्रा प्रमुख) प्रांत सह संयोजक, अखिलेश भारती (सह यात्रा प्रमुख) प्रांत बालोपासना प्रमुख, यशपाल साहू प्रांत प्रशिक्षण, प्रिंस जैन प्रांत सुरक्षा प्रमुख, राकेश राम लोचन तिवारी विभाग सह संयोजक, संत के रूप में आचार्य कृष्णपत्रा चारी जी, होमेश पटेल गीतेश पंडा, कैलाश सिन्हा, सागर पटेल, नीलकंठ साहू, गजेन्द्र साहू सहित बजरंग दल के कार्यकर्ता मातृशक्ति कुल 132 लोग यात्रा में सम्मिलित है।

शासकीय हाईस्कूल आवरी में विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

कांकेर /मूक पत्रिका

चारामा शासकीय हाईस्कूल आवरी (चारामा) में शुक्रवार को विद्यार्थियों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात नियमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। इस अवसर पर चारामा थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए इन विषयों की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं और बच्चियां समाज की गरिमा हैं, और उनके साथकिसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार कानूनन अपराध है, जिस पर सख्त कार्रवाई की जाती है। साइबर अपराध के संबंध में उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के चलते बच्चों और युवाओं को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक न करने, पासवर्ड सुरक्षित रखने और ऑनलाइन ठगी से सावधान रहने की सलाह दी। यातायात नियमों की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना और सड़क पर सतर्क रहना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे ज्ञानवर्धक और अत्यंत उपयोगी बताया।

प्रयोगशाला परिचालक भर्ती परीक्षा आज 03 अगस्त को, जिले के 07 केंद्रों में 02 हजार 534 परीक्षार्थी होंगे शामिल

परीक्षार्थियों को 02 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य

मुंगेली/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा प्रयोगशाला परिचालक (चतुर्थ श्रेणी) के पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा आज 03 अगस्त को प्रातः 11 से दोपहर 01.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा चुकी है। जिले के 07 केंद्रों डा.जे.पी. मिश्र शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, शासकीय एस.एन.जी महाविद्यालय, बी.आर.साव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जेसीज पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दाउपारा में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, इनमें 02 हजार 534 परीक्षार्थी शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच के साथ ही हाथों से तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए परीक्षार्थियों को अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र में कम से कम 02 घंटे पूर्व पहुंचना अनिवार्य होगा, ताकि प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र की पूरी जांच समय पर हो सके। परीक्षा के दौरान हल्के रंग के आधी बाँह के कपड़े और चप्पल पहनना अनिवार्य होगा। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश वर्जित है। इसके साथ ही घड़ी, पर्स, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व कोई भी संचार का साधन, स्कार्फ पाउच, बेल्ट, टोपी आदि साथ लाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पत्र के साथ मूल पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाईसेंस, मतदाता पहचान पत्र सहित अन्य कोई भी फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

शासकीय प्राथमिक शाला खैरा में शिक्षक -पालक बैठक

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक शाला खैरा में शिक्षक -पालक बैठक आयोजित की गई, सर्वप्रथम माँ सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया7 बैठक के निरिक्षण कर्ता आबकारी विभाग के पी माधव राव ने बच्चों की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य छात्रों की प्रगति, व्यवहार, और अन्य शैक्षिक पहलुओं पर चर्चा करना है,विद्यालय में, हम मानते हैं कि माता-पिता और शिक्षक एक साथ मिलकर काम करके छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव शिक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। साथ ही संकुल समन्वयक टीकाराम वर्मा ने कहा कि शिक्षक-पालक बैठक माता-पिता को अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति,व्यवहार और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। सरपंच राजेश घृतलहरे ने कहा कि यह बैठक शिक्षकों को माता-पिता से जुड़ने और छात्रों के लिए एक सहायक और सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करने के लिए एक मंच भी प्रदान करती है। शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष केशराम ध्रुव ने कहा कि हम सभी माता-पिता को इस प्रकार के महत्वपूर्ण बैठकों में बच्चों के सर्वांगिण विकास हेतु भाग लेना चाहिए आपकी भागीदारी छात्रों के लिए एक सफल शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस बैठक में विद्यालय के प्रधानपाठक पुरुषोत्तम लाल यादव जी ने 11 बिन्दुओ पर चर्चा करते हुए सभी पालकों का आभार ब्यक्त किया 7 बैठक का संचालन शिक्षक दिलीप साहू ने किया,इस अवसर पर दीनदयाल, रवि, गणेश, दिनेश, दिलीप, अशोक, भीष्मदेव, गिरिवर, सालिक राम,सत्या ध्रुव, पम्पाबाई जानकी, ममता, धनेशवरी, संजना, नंदनी, सावित्री एवं बच्चे उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा बैठक, आश्रम छात्रावासों में व्यवस्था सुधार पर दिया जोर

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला कलेक्टर संबित मिश्रा ने आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा बैठक लेकर आश्रमों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि संस्थाओं में रह रहे छात्र-छात्राओं को हर हाल में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी संस्थाओं को निर्देशित किया कि आवश्यक पंजियों का नियमित संधारण किया जाए, छात्र-छात्राओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए और बीमार बच्चों के लिए पृथक कक्ष की व्यवस्था सुनिश्चित हो। साथ ही, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने यह भी कहा कि विगत पांच वर्षों में संस्थाओं को प्रदाय की गई सामग्रियों का भौतिक सत्यापन कर उन्हें स्टॉक पंजी में दर्ज किया जाए। उपयोगी, अनुपयोगी और मरम्मत योग्य सामग्रियों की स्थिति का मूल्यांकन कर आवश्यकता अनुसार मरम्मत या विनिष्टिकरण की कार्यवाही की जाए। उन्होंने आश्रम व छात्रावास परिसरों में साफ-सफाई बनाए रखने, खिड़कियों में जाली लगाने, जलजमाव रोकने और मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने को भी कहा। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने निर्धारित मीनू का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया।इस बैठक में अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग देवेन्द्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी लखन लाल धनेलिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया किसानों को संबोधित, जिले के 1 लाख 11 हजार किसानों को मिला 25.69 करोड़ रुपये का लाभ

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के उपलक्ष्य में जिले में कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र (केवीके), कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में पीएम किसान दिवस का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाने और योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिलेभर में व्यापक स्तर पर आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उत्तर प्रदेश के वाराणसी से देशभर के करोड़ों किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का हस्तांतरण किया गया। उनके द्वारा देशभर के किसानों को संबोधित किया गया, जिसका सीधा प्रसारण केवीके बेमेतरा के सभागार में किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना किसानों की आर्थिक रीढ़ को सुदृढ़ करने का कार्य कर रही है और आने वाले समय में यह योजना भारतीय कृषि क्षेत्र में क्रांति लाएगी।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बेमेतरा के 250 किसान हुए शामिल-इसी अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन रायपुर से किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जिले वासियों से वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने प्रदेश के किसानों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाएं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु जैविक खेती, मूल्य संवर्धन और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। जिले से 250 चयनित कृषकों को भेजा गया, जिन्होंने राज्यस्तरीय आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की और सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल का संदेश-कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे टेकचंद अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसान शासन की कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं अन्य विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने किसानों को प्रेरित किया कि वे सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ का सही उपयोग कर उत्पादन एवं आय में वृद्धि करें। श्री अग्रवाल ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि किसान अब परंपरागत खेती के साथ-साथ फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, वर्मी कंपोस्ट, और फसल बीमा योजना जैसी सुविधाओं को अपनाएं जिससे खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सके।

बेमेतरा जिले के 1 लाख 11 हजार किसानों को मिला लाभ-जिले में 1.11 लाख कृषक परिवारों को इस 20वीं किस्त के अंतर्गत कुल 25.69 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया। यह राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किसानों के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर की गई, जिससे उन्हें त्वरित और पारदर्शी लाभ मिला।

जिलेभर में हुआ व्यापक आयोजन-जिले में यह कार्यक्रम सभी विकासखंड कार्यालयों, समस्त सेवा सहकारी समितियों एवं कुछ ग्राम पंचायत मुख्यालयों में भी आयोजित किया गया, जिससे अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकी। कार्यक्रम के जिला स्तरीय मुख्य आयोजन का केंद्र कृषि विज्ञान केन्द्र, बेमेतरा रहा, जहां सैकड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे और लाभ प्राप्त किया ।मोरध्वज डडसेना, उप संचालक कृषि ने किसानों से फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, और किसान कोड योजना जैसे लाभकारी कार्यक्रमों में भागीदारी का आह्वान किया। तोषण कुमार ठाकुर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, केवीके बेमेतरा ने खरीफ फसलों में आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु किसानों से नियमित संपर्क में रहने की अपील की। तकनीकी सत्र में डॉ. जितेन्द्र कुमार जोशी, डॉ. लव कुमार एवं डोमन सिंह टेकाम ने किसानों की समस्याओं का समाधान किया और उन्हें वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों और अतिथियों को कृषि विज्ञान केंद्र में विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों जैसे वर्मी कंपोस्ट, मशरूम उत्पादन, जैविक कीटनाशक निर्माण इकाई, बीज प्रसंस्करण आदि का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर डॉ. श्याम लाल साहू, श्रीमती नीलिमा कोरी, देशराज यादव, संतोष गोंड़ समेत अन्य कृषि विभाग के अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीगण तथा 500 से अधिक किसान उपस्थित रहे। यह आयोजन किसानों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि की दिशा में आगे बढ़ाने का एक प्रभावशाली प्रयास सिद्ध हुआ।

किसानो के हक पर डाका, आदिम जाति सेवा सरकारी समिति कचनार में प्रबंधक की पति की मनमानी पर बस्तर गरमाया

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जगदलपुर (पवन कुमार नाग) - आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कचनार में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ किसानों की आजीविका को प्रभावित किया है, बल्कि शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। बीते कई वर्षों से समिति की प्रबंधक श्रीमती ललिता राव के पति खुलेआम खाद-बीज वितरण, वाउचर बनाने और यहां तक कि धान खरीदी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं ङ्कजबकि वे न तो किसी अधिकृत पद पर हैं और न ही समिति में नियुक्त।

फिर भी रोज़ाना कार्यालय में मौजूद रहकर सभी फैसलों को अपनी मनमानी से संचालित कर रहे हैं। जगदलपुर से महज कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस समिति में चल रही इस अवैध दखलंदाज़ी की खबर न शासन-प्रशासन तक पहुँची और न ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों तक ङ्क या फिर यह अनदेखी किसी मिलीभगत का नतीजा है? यह सवाल अब ग्रामीण और किसान खुलकर पूछ रहे हैं।

ग्रामीणों के आरोप और अनियमितताएँ: प्रबंधक ललिता राव के पति खाद वितरण, वाउचर तैयार करने और धान खरीदी जैसे कार्यों में सीधे हस्तक्षेप करते हैं।

इस कारण समय पर किसानों को न तो खाद और बीज उपलब्ध हो पाता है, न सही जानकारी मिल पाती है, जिससे हर साल भारी नुकसान होता है। समिति में पहले से पदस्थ ऑपरेटर के रहते हुए, प्रबंधक द्वारा मोहित कश्यप नामक व्यक्ति को अलग से ऑपरेटर का कार्य दिया गया, जिसकी न तो ब्रांच मैनेजर को जानकारी है और न ही समिति अध्यक्ष को।

इससे समिति की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

जनता के सवाल: जब समिति में सभी पदों पर नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं, तो फिर ललिता राव के पति किस अधिकार से हस्तक्षेप कर रहे हैं?

क्या प्रबंधक की मौन सहमति के बिना यह सब संभव है?

क्या यह साफ़-साफ़ प्रशासनिक लापरवाही और पद के दुरुपयोग का मामला नहीं है?

क्या कुछ जनप्रतिनिधि भी इस पूरी व्यवस्था को संरक्षण दे रहे हैं?

ग्रामीणों की माँग: ललिता राव के पति के खिलाफ सख़्त कार्रवाई हो। पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। समिति में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति हो। कचनार के जागरूक नागरिकों और किसानों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे धरना-प्रदर्शन, आंदोलन और कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए विवश होंगे।

यह सिर्फ समिति का मामला नहीं, किसानों की आजीविका का सवाल है ङ्कजहाँ किसी एक परिवार की मनमानी नहीं चल सकती।

÷किसानों के हक पर डाका अब और बर्दाश्त नहीं!÷

ई-आफिस के अन्तर्गत विभिन्न विभागों को दी जा रही प्रशिक्षण

कलेक्टर द्वारा विभागों के लिए शेड्यूल जारी

कोरबा। राज्य शासन के मंशा के अनुरूप शासकीय विभागों को ई-आफिस के माध्यम से ऑन लाईन कार्य करने के निर्देश दिए गये हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिला कार्यालयों के समस्त शाखाओं को निर्देशित किया गया है कि वे एनआईसी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर ई-आफिस में कार्य करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार 21 जुलाई से 10 सितंबर तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। एनआईसी अधिकारी श्री हेमंत जायसवाल द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शेड्यूल अनुसार 01 अगस्त से 04 अगस्त तक स्टेनो टू अपर कलेक्टर कोरबा एवं कटघोरा, 05 एवं 06 अगस्त को वरिष्ठ लिपिक, परीक्षा, पुरातत्व, 07 एवं 08 अगस्त को लायसेंस शाखा, विभागीय जांच एवं भू-अर्जन, 11 एवं 12 अगस्त को नजूल एवं भू-बंटन, 13 एवं 14 अगस्त को न्यायालय अपर कलेक्टर कोरबा एवं कटघोरा, 18 एवं 19 अगस्त को सांख्य लिपिक एवं शिकायत शाखा, 20 एवं 21 अगस्त को विशेष कक्ष एवं प्रपत्र शाखा, 22 से 25 अगस्त तक सूचना का अधिकार एवं व्यवहारवाद शाखा, 28 एवं 29 अगस्त को सहायक अधीक्षक, 01 एवं 02 सितंबर को आपदा शाखा, सहायक अधीक्षक, 03 एवं 04 सितंबर को सिटी मजिस्ट्रेट एवं रेंट कंट्रोल, 05 से 08 सितंबर तक राजस्व आंकिक एवं राजस्व मोहर्रिर, 09 एवं 10 सितंबर को आवक एवं जावक शाखा, लोक सेवा गारंटी शाखा को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

कोरबा और पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉकों की उल्लेखनीय उपलब्धि, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व कृषि क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन

कोरबा। नीति आयोग के तत्वावधान में संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन रहें। संपूर्णता अभियान आकांक्षी जिलों एवं ब्लॉकों के लिए एक ऐतिहासिक पहल रही, जिसका उद्देश्य प्रमुख 6 प्रदर्शन संकेतकों में पूर्णता प्राप्त करना था। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं ब्लॉक अधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों, फ्रंटलाइन वर्कर्स तथा विभिन्न विभागीय टीमों के समन्वित प्रयास से कोरबा ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम के 6 में से 5 संकेतकों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त की। कोरबा आकांक्षी ब्लॉक 6 में से 5 संकेतकों में शत प्रतिशत उपलब्धि वहीं पोड़ी उपरोड़ा आकांक्षी ब्लॉक 6 में से 4 संकेतकों में शत प्रतिशत उपलब्धि रही। इस सफलता पर कोरबा ब्लॉक को सिल्वर मेडल एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक को कांस्य पदक प्रदान किया गया। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कोरबा जिला, कोरबा एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉकों के प्रयासों से आकांक्षी जिला श्रेणी में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह उपलब्धि विभागीय टीमों के परिश्रम और सामूहिक समर्पण का परिणाम है। हमें सतत प्रयास कर कोरबा को आकांक्षी जिला श्रेणी से बाहर लाकर विकसित जिलों में शामिल करना है। कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व का क्षण है। एक समय आकांक्षी जिलों की सूची में कोरबा 73वें स्थान पर था, आज यह रजत पदक प्राप्त कर रहा है। यह सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। विधायक पाली तानाखर श्री तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम ने समारोह में सम्मानित हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी को आगे भी कोरबा जिले को आकांक्षी जिले की सूची से बाहर लाने के लिए विशेष प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

बीयर की बड़ी खेप 24 बोतल बीयर कुल 15 लीटर के साथ आरोपी गिरफ्तार

कांकेर शहर में सघन चेक पाईन्ट एवं पैदल गस्त कर कार्यवाही, शहर में नशेड़ी, गंजेड़ी, शराबीयों एवं जुआड़ीयों पर लगातार कार्यवाही

कांकेर /मूक पत्रिका

पुलिस पेट्रोलिंग एवं लगातार पैदल गस्त कर अपराध की रोकथाम कार्यवाही जारी। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उ.ब. कांकेर आई.के. एलिसेला (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल (भापुसे) भानुप्रतापपुर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर दिनेश सिन्हा के मार्गदर्शन में एवं अनु. अधिकारी पुलिस मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में शहर में दिन में पैदल, बाईक गस्त एवं रात्रि गस्त पेट्रोलिग बढ़ाकर शराबियों, नशेड़ी, गजेड़ियो, नशीली पदार्थ का सेवन कर उत्पात करने वाले असामाजिक तत्वो पर सतत् निगरानी रखने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के आदेश पर शहर में निरन्तर पुलिसिंग गस्त कार्यवाही कर असमाजिक तत्वों एवं अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस थाना कांकेर द्वारा लगातार नागरिकों से संपर्क स्थापित कर शहर में गस्त के दौरान बीते शनिवार को जरिये मोबाईल मुखबीर के सूचना पर शहर के पंडरीपानी मेन रोड़ पर अवैध शराब परिवहन पर समक्ष गवाहों के संदेही राकेश पटेल पिता स्व. मिश्री लाल पटेल को रोककर पुछताछ किया गया एवं तलाशी कार्यवाही में आरोपी राकेश पटेल के कब्जे से 24 बोतल बियर कुल 15.600 लीटर जुमला किमती रकम 6000.00 रूपये को गवाहों के समक्ष जप्त कर मौके पर देहाती नालसी आबकारी अधि. की धारा 34(2) के तहत् आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही कर आरोपी राकेश पटेल पिता स्व. मीश्री लाल पटेल उम्र 28 वर्ष पता झुनियापारा कांकेर थाना कांकेर को गिरफ्तार किया गया है एवं थाना कांकेर पहुंच असल नंबरी अप.क्र.228/25 धारा-34(2) आबकारी अधिनियम कायमी किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक मनीष नागर, प्रभारी सायबर सेल निरीक्षक प्रेमप्रकाश अवधिया, प्रभारी अजाक निरीक्षक राम कुमार साव के नेतृत्व में उप निरी. रामेश्वर चतुर्वेदी, सउनि वेदन सलामे, म.प्रआर. हितेश्वरी चेलक, प्रधान आरक्षक कृष्णा यादव, प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश कृषान, प्रआर. गीतेश्वर कुलदीप, प्र.आर. मनीराम भोई, आरक्षक रामरतन एवं थाना कांकेर पेट्रोलिंग टीम आरक्षक अरूण मंडावी, लक्ष्मीनारायण सोरी का अहम भूमिका रही।

आमापारा, संजयनगर, अन्नपूर्णापारा, सुभाष वार्ड एवं अन्य क्षेत्रों में अड्डेबाजी व अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उत्तर बस्तर कांकेर आई. के. एलिसेला (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश (भा.पु.से.) एवं दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मो. खान के पर्यवेक्षण में कांकेर शहर में दिन और रात की गश्त, पेट्रोलिंग एवं सतत निगरानी के तहत असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बीते शनिवार को मोबाइल पर प्राप्त सूचना के आधार पर शहर के विभिन्न वार्डों - सुभाष वार्ड, एम.जी. वार्ड, आमापारा, राजापारा, अन्नपूर्णापारा, संजयनगर, उदयनगर एवं टिकरापारा में दबिश देकर निम्नलिखित 08 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई ।

1. भरत साहू, पिता - सदाराम साहू, उम्र 23 वर्ष, पता -एम.जी. वार्ड

2. रोहित भंडारी, पिता मेहतरू, उम्र 30 वर्ष, पता सुभाष वार्ड

3. कुणाल यादव, पिता जागेश्वर, उम्र 20 वर्ष, पता -आमापारा

4. अजीत कुमार चौहान, पिता स्व. सागुरी, उम्र - 29 वर्ष, पता -राजापारा

5. संतोष कुमार सरोज, पिता सूरज राम, उम्र ङ्क 19 वर्ष, पता -अन्नपूर्णापारा

6. आयुष कुमार, पिता महावीर, उम्र 25 वर्ष, पता अन्नपूर्णापारा7. इमरान खान, पिता मोह. फरीद, उम्र 33 वर्ष, पता -संजयनगर

8. अविनाश सोलंकी, पिता मोहन, उम्र 37 वर्ष, पता-उदयनगर

इन सभी के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर एस.डी.एम. न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा जेल वारंट जारी किए जाने पर सभी आरोपियों को जिला जेल कांकेर भेजा गया।

कार्यवाही में योगदान देने वाली टीम

थाना प्रभारी कांकेर, सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक प्रेम प्रकाश अवधिया, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष नागर, निरीक्षक राम कुमार साव के नेतृत्व में उप निरीक्षक मनोरथ जोशी, रामेश्वर चतुर्वेदी, सउनि वेदन सलामे, प्रआर. मनीराम भोई, प्रआर. हितेश्वरी चेलक, प्रधान आरक्षक कृष्णा यादव, प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश कृषाण, प्रआर. गीतेश्वर कुलदीप, आरक्षक राकेश बघेल, तथा पेट्रोलिंग टीम के आरक्षक अरुण मंडावी, लक्ष्मीनारायण सोरी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

नेतृत्व, अभिनय और जनसेवा का समागमः IIM रायपुर में विधायक अनुज शर्मा का व्याख्यान'

रायपुर /मूक पत्रिका

रायपुर - भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में आयोजित प्रतिष्ठित मासिक व्याख्यान श्रृंखला "Gyan Varsha Series" के अंतर्गत इस माह मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि, बहुप्रशंसित अभिनेता एवं धरसीवां विधायक अनुज शर्मा आमंत्रित थे। अपने प्रेरणास्पद व्याख्यान में उन्होंने युवाओं से कहा, ÷ज़िंदगी के संघर्ष से बेहतर कोई शिक्षक नहीं होता। जिसने अपने संघर्षों को समझ लिया, वही सबसे अच्छा मैनेजर बनता है। मेरा मानना है कि नेतृत्व सिर्फ पद नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी है—जो समाज की धड़कन को समझते हुए आगे बढ़ता है।÷ उन्होंने अपने जीवन के अनेक प्रेरक अनुभव साझा किए – अभिनय के माध्यम से जनजागरण, सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी और एक जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के साथ निरंतर संवाद। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि संकल्प, अनुशासन और संवेदनशीलता साथ हो, तो सामाजिक परिवर्तन संभव है। उन्होंने यह भी कहा, ÷हर व्यक्ति के जीवन का गणित अलग होता है। आपको अपने काबिलियत और दायरे को लगातार बढ़ाते रहना चाहिए। बिना परिवार, सफलता और संतोष—तीनों में से कोई भी पूर्ण नहीं होता।÷ कार्यक्रम में IIM रायपुर के Director-in-Charge प्रो. संजीव प्रशार, Dean श्द्ध Academics प्रो. सरोज कुमार पानी, और Dean of E&ternal Relations प्रो. सत्य सिबा दास की गरिमामयी उपस्थिति रही। Gyan Varsha Series Committee ·Ô¤ Chairperson प्रो. केतन कुमार रेड्डी, तथा समिति सदस्य दिक्षा मंडावी और तौसीफ आयशा अंसारी ने आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा का उत्कृष्ट संचालन किया। IIM रायपुर परिवार ने अनुज शर्मा जी के अनुभवों और विचारों को सुनकर गहरी प्रेरणा प्राप्त की, और यह व्याख्यान विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों दोनों के लिए स्मरणीय बन गया।

' सर्वर डाउन के नाम पर लटक रहे बेरोजगारों के सपने'

जगदलपुर जिला उद्योग कार्यालय 8 माह से ठप

जगदलपुर/मूक पत्रिका

देश में जहां एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें युवा उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की बात कर रही हैं, वहीं बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर का जिला व्यापार उद्योग कार्यालय पिछले आठ महीनों से पूरी तरह ठप पड़ा है। बीएसएनएल कार्यालय की दूसरी मंजिल पर स्थित इस केंद्र में ÷सॉफ्टवेयर और सर्वर डाउन÷ का बहाना बनाकर सभी सेवाएं बंद कर दी गई हैं, जिससे हज़ारों युवा बेरोजगारों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

8 महीनों से हर दिन एक ही जवाब - "सर्वर डाउन है"

बस्तर के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आने वाले बेरोजगार युवक-युवतियों ने बताया कि वे लगातार कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ यही जवाब मिलता है कि ÷ऑनलाइन सिस्टम बंद है, सर्वर डाउन है, आज नहीं हो पाएगा, कल आओ।÷

कुछ आवेदकों ने बताया कि उनके आवेदन 1 साल से लंबित हैं, लेकिन अब तक न कोई स्वीकृति मिली है, न कोई जानकारी। एक युवक ने कहा ङ्क ÷चप्पल घिस गई साहब, लेकिन फार्म जमा नहीं हुआ। कभी नेटवर्क नहीं, कभी सिस्टम बंद।÷

सरकारी दिशा-निर्देशों को दरकिनार कर रहा कार्यालय

हाल ही में बस्तर कलेक्टर द्वारा प्रेरणा सभा कक्ष में कृषि, लोन और उद्योग रोजगार से जुड़े विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र समाधान किया जाए, ताकि युवाओं को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

लेकिन जिला उद्योग कार्यालय पर इसका कोई असर नहीं दिखा। अधिकारियों की कार्यशैली और जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी ÷सर्वर डाउन÷ का बहाना धड़ल्ले से जारी है।

क्या है जिला उद्योग केंद्र का उद्देश्य?

जिला उद्योग केंद्रों (ष्ठढ्ढष्ट्व) की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा इस उद्देश्य से की गई थी कि देश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म, लघु, कुटीर और पारंपरिक उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाए। इन केंद्रों का कार्य है:

स्थानीय उद्यमियों को मार्गदर्शन व प्रशिक्षण देना

क्करूश्वत्रक्क व अन्य सरकारी ऋण योजनाओं में सहयोग करना

नई औद्योगिक इकाइयों का पंजीकरण करना

औद्योगिक सहकारी समितियों का गठन व प्रोत्साहन

महिला, दिव्यांग व अल्पसंख्यक उद्यमियों को विशेष सुविधा देना

यहाँ तक कि कई क्षेत्रों में केंद्र प्रशिक्षण शिविर और जागरूकता अभियान भी चला रहा है ताकि ग्रामीण युवा उद्योगों की दुनिया में कदम रख सकें।

लेकिन जब जिला कार्यालय ही ठप हो, तो ये सारी योजनाएं केवल कागजों में रह जाती हैं।

÷ट्रेनिंग दी जा रही, लेकिन स्कीम बंद÷ ङ्क एक विडंबना

एक ओर बस्तर जिले में जगह-जगह उद्योग विभाग की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम और योजना जागरूकता शिविर चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला उद्योग कार्यालय में कोई भी योजना न ऑनलाइन सक्रिय है, न ऑफलाइन।

यह एक व्यवस्थागत विफलता है जो युवाओं के मन में शासन के प्रति अविश्वास पैदा कर रही है।

सवाल उठते हैं, तो जवाब कौन देगा?

1. 8 महीने से सर्वर डाउन है ङ्क तकनीकी समस्या है या प्रशासनिक लापरवाही?

2. अगर समस्या तकनीकी है तो अब तक समाधान क्यों नहीं किया गया?

3. क्या यह कोई बड़ी अनदेखी है, जिसके पीछे जिम्मेदार अधिकारी बच रहे हैं?

4. सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के बीच ज़मीनी लाभार्थी क्यों वंचित हैं?

इन सभी सवालों का जवाब देना अब प्रशासन और शासन दोनों की जिम्मेदारी है।

जनता की माँग ङ्क हो निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्यवाही

बस्तर के कई जागरूक युवाओं और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अगर ÷सर्वर डाउन÷ की आड़ में भ्रष्टाचार या लापरवाही छुपाई जा रही है, तो उसे बेनकाब किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो ।

निष्कर्ष: योजनाएं तब ही सफल हैं, जब ज़मीन पर लागू हों

जिला उद्योग केंद्र जैसे संस्थान भारत के युवाओं के लिए उम्मीद की किरण हैं, लेकिन अगर वहां तकनीकी और प्रशासनिक असफलताएं लगातार बनी रहेंगी, तो योजनाएं केवल भाषणों और ब्रोशर में ही चमकती रहेंगी।

आज समय है कि सरकार और प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लें, ताकि जगदलपुर जैसे पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को भी वह अवसर मिल सके जिसका वादा हर बजट, हर अभियान और हर घोषणापत्र में किया जाता है।

संपादकीय

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई

लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

प्यादा भी कहने लगा राजा में दम नहीं !

एक प्यादा था । उसे लोग हंसी - मजाक का खिलौना मानते थे । वह राजा से बैर रखता था । राजा के खेमे से उसकी पटरी नहीं बैठती थी । इसी कारण वह दिन - प्रति - दिन राजा को गिराने की कोशिश में लगा रहता था । राजा इतना दमदार था कि सब कुछ जानते हुए भी प्यादे को कुछ नहीं कहता था । राजा यह बात भी बहुत अच्छे से जनता था कि इसी प्यादे के बड़बड़ाने से उसे देश और विदेश में बड़ी ख्याति अर्जित हो रही है । प्यादे को यह भी गलत फहमी जकड़ रखी थी कि वह जिस दरबार में राजा के साथ उपस्थित रहता है , उस दरबार में शामिल अन्य लोग उसे बहुत विद्वान मानते हैं । वास्तव में दरबारियों के लिए भी प्यादा मनोरंजन का साधन मात्र ही था । अब ऐसा भी नहीं है कि उसके अपने लोगों की कमी थी । उसके गुट के लोग उसके मुखारविंद से निकले शब्द को ब्रह्म वाक्य मानने में संकोच नहीं करते थे , फिर वे शब्द अनर्थ की ओर ही इशारा क्यों न करते दिख रहे हों ! प्यादे में एक खासियत तो थी , वह यह कि उसे अंग्रेजी का ज्ञान राजा से कहीं ज्यादा था । यदा - कदा राजा द्वारा अंग्रेजी में वार्तालाप कर देने पर प्यादा बिफर पड़ता था , किंतु इससे राजा की सेहत में कोई फर्क न पड़ता देख प्यादा और भी ज्यादा फन फ़ना उठता था !

राजा अर्थात किंग और प्यादा मतलब पिद्दी के बीच क्या संबंध होता है ? शायद इसे हर व्यक्ति बेहतर समझता है । अब यदि पिद्दी यह कहे कि वह राजा से प्रत्यक्ष मिलकर चर्चा करता है तो यह पचने वाली बात नहीं है । जहां तक मैने समझा है जिस किंग की बात की जा रही है वह अत्यंत ही शालीन , व्यवहार कुशल और शीतल मस्तिष्क का बेहतरीन इंसान है । इसके ठीक विपरीत जिस पिद्दी को हम सब जानते हैं वह दिमाग से कुछ ढीला , व्यवहार में दिखावा और शालीनता से दूर - दूर से नाता न रखने वाला पप्पू किस्म का चर्चित बुजुर्ग युवा की श्रेणी में आता है । उस प्यादे को देश की सबसे बड़ी समस्या वही राजा नजर आता है जो विश्वस्तरीय हीरो बन चुका है । वैश्विक हीरो को हवा में उड़ने वाला गुब्बारा बताने वाला पप्पू यह नहीं समझ पा रहा है कि ऐसे ही गुब्बारे हमारे देश के सैनिकों को आफत की स्थिति में हवा में तैरते हुए सफलता पूर्वक उतरने में सहायक हुआ करते हैं । हमारा किंग वह गुब्बारा नहीं जो हीलियम गैस के सहारे उड़ता है और गैस खत्म हो जाने पर यहां - वहां गिर कर अपनी किस्मत पर रो रहा होता है । कुछ ऐसी ही स्थिति 542 के दरबार में प्यादे और उसके साथियों की बनी हुई है ।

केवल एक घर चलकर थक जाने वाला प्यादा बड़े अफसोस के साथ यह भी कहता है कि उसके द्वारा की गई भूल का उसे पश्चाताप है । मुझे तो यह सुनकर आश्चर्य होता है कि उसे अपनी भूल पर पश्चाताप है । कारण यह कि जो कदम - कदम पर भूल करता आ रहा हो उसे अपनी भूल पर एक बढ़िया पुस्तक भूल - भुलैया लिख कर सहयोगियों के लिए सहज कर जरूर रखना चाहिए । मेरे देश सहित विश्व के शतरंज खिलाड़ी इस बात को बखूबी जानते हैं कि राजा एवं प्यादे की जंग में जीत सदैव राजा की ही होती आई है । यह दृश्य हम दो दशक से भी ज्यादा समय से देखते आ रहे हैं कि हर बार प्यादा अपने साथियों सहित मुंह के बल गिरकर धूल चाटता नजर आ रहा है । हर बार ÷ अब मारा तो मारा , अब मार कर दिखा ÷ वाली गीदड़ भपकी देने से पीछे न रहने वाला पिद्दी हर जंग में अपने पड़ोसियों के साथ नई सेना तैयार कर दहाड़ता जरूर है , किंतु वह दहाड़ शेर के आगे गीदड़ की हुआ .. हुआ रुदन से ज्यादा कुछ और नहीं होती ।

जिस राजा को एक अदने से प्यादा द्वारा बे - दम बताए जाने की हिमाकत की जा रही है उसे अपने पूर्वजों का इतिहास भी जरूर पढ़ना चाहिए । उनके द्वारा बोए गए कांटों के पौधे अब नासूर हो चुके हैं , जिनसे रोज राजा की प्रजा लहू लुहान हो रही है । इसलिए किंग ऑफ वर्ल्ड ने यह ठान लिया है कि नासूरों की जड़ों पर मठ्ठा डालकर हमेशा के लिए नेस्तनाबूत करके ही दम लेगा । शायद इसी दम को महसूस कर पिद्दी ने राजा को मारे भय के कोई दम नहीं है इस राजा में तक कह दिया ! वह खुद जानता है कि जिस बिसात में बैठकर वह जंग लड़ने का असफल प्रयास कर रहा है , उसमें उसकी हार सुनिश्चित है । अभी केवल कुल शक्ति का बमुश्किल पांचवें हिस्से से भी कम ताकत जुटा पाए पिद्दी को अगली जंग में शायद वह भी न मिल पाए और वह कुपोषण से दम तोड़ दे तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए । मैं तो अचंभित रह जाता हूं जब यह पढ़ता या सुनता हूं कि शेर - ए - बब्बर को गीदड़ आंख दिखाने की हिम्मत कर रहा है ! इसे ही कहते हैं बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी !

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291 .

पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001 का सख्ती से पालन करना समय की मांग

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्सीय बेंच द्वारा एक प्रसिद्ध न्यूज़पेपर में कुत्ते क़े काटने पर 6 वर्ष की बालिका की मृत्यु का स्वत :संज्ञान के इस आदेश को विस्तार से जानने की करें तो, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अखबार में प्रकाशितसमाचार आवारा कुत्तों से त्रस्त शहर,बच्चे भुगत रहे कीमत पर स्वत :संज्ञान लिया है। अदालत ने एक रिट याचिका दर्ज की है, जिसमें यह संज्ञान लिया गया है कि किस प्रकार नवजात शिशु, बच्चे और बुज़ुर्ग अवैक्सीनेटेड (टीकाकरण रहित) आवारा कुत्तों के काटने के कारण रेबीज जैसी घातकबीमारी का शिकार हो रहे हैं। बेंच ने खबर पर संज्ञान लेते हुए आदेश जारी करते हुए कहा कि सप्ताह की शुरुआत हो चुकी है और हमें सबसे पहले इस बेहद चिंताजनक और खतरनाक समाचार का स्वत : संज्ञान लेना चाहिए, जो आज के टाइम्स ऑफ इंडिया के दिल्ली संस्करण में 'सिटी होउंडेड बाय स्ट्रास एंड किड्स पे प्राइस' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। समाचार में कुछ चौंकाने वाले और परेशान करने वाले आंकड़े और तथ्य शामिल हैं।

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत क़े करीब-करीब हर राज्य क़े हर शहरी क्षेत्र क़े हर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के हर गांव में अगर हम देखेंगे तो हमेंआवारा या लावारिस कुत्ते कहीं काम कहीं अधिक संख्या में जरूर दिखेंगे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि इससे शायद किसी नागरिक को कोई आक्षेप नहीं होगा। परंतु इन आवारा कुत्तों द्वारा जब नागरिकों की बस्ती में आतंक फैलाना, पैदल चलने वालों को काटना, गाड़ी वालों के पीछे दौड़कर काटने की कोशिश करना जैसी गतिविधियां होती है तो इससे रेबीज नामक बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है, वह भी अक्सर यह घटनाएं बच्चों में बुजुर्गों के साथ अधिक हो रही है, जो रेखांकित करने वाली बात है। यदि इस तरह की घटनाएं हो रही हो तो इसके लिए भारतीय कानून में इन पशुओ जानवरों की रक्षा वह नियंत्रण के अनेकों कानून बने हुए हैं जैसे पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001, भारतीय न्याय संहिता (नया आईपीसी) की धारा 325,326, पशु कल्याण बोर्ड इत्यादि अनेक अधिनियम नियम व वैधानिक निकाय हैं परंतु विशेषकर कुत्तों पर नियंत्रण के लिए स्थानीय निकायों जैसे नगरपरिषद नगरपालिका नगरनिगम महानगरपालिका इत्यादि जवाबदार हैं, इन्हें अब जागना जरूरी है। इस विषय पर आज हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सोमवार दिनांक 28 जुलाई 2025 को माननीय सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने भारत के पेपर टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी एक खबर जिसमें बताया गया था कि दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में 30 जून 2025 को एक 6 वर्ष की बेटी को रेबीज बीमारी से ग्रस्त कुत्ते द्वारा काटा गया, और इलाज के दौरान 26 जुलाई 2025 को उसकी मृत्यु हो गई इस खबर को पेपर में पड़कर सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने इसपर स्वतः संज्ञान लेकर, एक याचिका दाखिल कर, मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश करने का आदेश जारी किया है, जिसकी चर्चा विस्तार से हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पूरे भारत की स्थानीय निकायों जैसे नगरपरिषद नगर पालिका नगरनिगम महानगर पालिका इत्यादि को पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम 2001 का सख्ती से पालन करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्सीय बेंच द्वारा एक प्रसिद्ध न्यूजपेपर में कुत्ते क़े काटने पर 6 वर्ष की बालिका की मृत्यु का स्वतःसंज्ञान के इस आदेश को विस्तार से जानने की करें तो, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अखबार में प्रकाशितसमाचार आवारा कुत्तों से त्रस्त शहर,बच्चे भुगत रहे कीमत पर स्वतःसंज्ञान लिया है। अदालत ने एक रिट याचिका दर्ज की है, जिसमें यह संज्ञान लिया गया है कि किस प्रकार नवजात शिशु, बच्चे और बुजुर्ग अवैक्सीनेटेड (टीकाकरण रहित) आवारा कुत्तों के काटने के कारण रेबीज जैसी घातकबीमारी का शिकार हो रहे हैं। बेंच ने खबर पर संज्ञान लेते हुए आदेश जारी करते हुए कहा कि सप्ताह की शुरुआत हो चुकी है और हमें सबसे पहले इस बेहद चिंताजनक और खतरनाक समाचार का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए, जो आज के टाइम्स ऑफ इंडिया के दिल्ली संस्करण में 'सिटी होउंडेड बाय स्ट्रास एंड किड्स पे प्राइस' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। समाचार में कुछ चौंकाने वाले और परेशान करने वाले आंकड़े और तथ्य शामिल हैं। हर दिन, शहरों और बाहरी इलाकों में सैकड़ों कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं, जिससे रेबीज फैल रहा है और अंततः नवजात शिशु, बच्चे और बुजुर्ग इस भयानक बीमारी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा रजिस्ट्री इस याचिका को स्वतः प्रेरित याचिका के रूप में दर्ज करे। यह आदेश और समाचार रिपोर्ट माननीय मुख्य न्यायाधीश के समक्ष उपयुक्त आदेशों के लिए प्रस्तुत की जाए। इस गंभीर स्थिति का सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है, जिनकी रेबीज से मौतें हो रही हैं। बेंच ने इन मौतों को ÷डरावना और परेशान करने वाला÷ बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्रर को निर्देश दिया है कि इस पूरे मामले को एक स्वतःसंज्ञान याचिका के रूप में पंजीकृत किया जाए। साथ ही, संबंधित आदेश और समाचार रिपोर्ट को भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

साथियों बात अगर हम इस रेबीज नामक बीमारी की करें तो, बता दें कि रेबीज एक गंभीर वायरल बीमारी है, जो आमतौर पर संक्रमित जानवरों की लार से इंसानों में फैलती है। दुनियाँ भर में रेबीज के अधिकांश मानवीय मामलों के लिए संक्रमित कुत्ते जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, चमगादड़, लोमड़ी, रैकून, कोयोट और स्कंक जैसे जंगली जानवर भी रेबीज फैला सकते हैं। रेबीज के लक्षण आमतौर पर काटने के 2-3 महीने बाद दिखाई देते हैं, लेकिन यह 1 सप्ताह से 1 वर्ष या उससे भी अधिक समय तक भिन्न हो सकता है। शुरुआती लक्षण फ्लू जैसे हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं- बुखार, सिरदर्द दर्द।

साथियों बातअगर हम स्वतःसंज्ञान के इस आदेश को गहराई से समझने की करें तो,आए दिन देश में आवारा कुत्तों के आतंक की खबरें देखने और सुनने को मिलती हैं। आवारा कुत्तों का सबसे ज्यादा शिकार बुजुर्ग और बच्चे हो रहे हैं। कई लोगों की मौत भी हो चुकी है, बल्कि रेबीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ऐसी घटनाओं को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों के आतंक को कम करने के लिए खाना स्कीम शुरु की है। अब आवारा कुत्तों के मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी स्वतः संज्ञान लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों के हमलों ने लोगों की नींद उड़ा दी है। एक रिपोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट का ध्यान खींचा। इस खबर में बताया गया कि शहरों और बाहरी इलाकों में हर दिन सैकड़ों लोग आवारा कुत्तों के शिकार हो रहे हैं। इन हमलों से रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी फैल रही है, जिसका सबसे ज्यादा खतरा मासूम बच्चे और बुजुर्ग हो रहे हैं। इस मुद्दे को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले को उठाया।बेंच ने इस खबर को 'बेहद परेशान करने वाला' बताया। जस्टिस ने कहा कि यह खबर बहुत डरावनी है। हर दिन सैकड़ों लोग कुत्तों के काटने से पीड़ित हैं। रेबीज की वजह से छोटे बच्चे और बुजुर्ग अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने एक दुखद घटना का जिक्र किया, जिसमें दिल्ली के रोहिणी इलाके में 30 जून को एक 6 साल की बच्ची को एक रेबीज बीमारी से ग्रस्त कुत्ते ने काट लिया। इलाज के बावजूद बच्ची की 26 जुलाई को उसकी मृत्यु हो गई। डॉक्टरों ने शुरू में उसकी बिगड़ती हालत को सामान्य बुखार समझा, जिससे सही समय पर इलाज नहीं हो सका। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लिया। यह कदम तब उठाया गया, जब कोर्ट ने देखा कि नगर निगम और प्रशासन आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके टीकाकरण में नाकाम रहे हैं।यह पहली बार नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ध्यान दिया है। बता दें 15 जुलाई 2025 की बेंच ने भी आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की जगहों को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट का कहना है कि जानवरों के प्रति दया और लोगों की सुरक्षा में संतुलन जरूरी है। अब उम्मीद है कि इस मामले में जल्द सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि मासूम बच्चों और बुजुर्गों की जान बचाई जा सके।

क्या आप भी खा रहे हैं समोसा और जलेबी? तो हो जाइए सावधान...

हमारे देश भारत में खाने-पीने की बहुत अहमियत है। यहां खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं खाया जाता है, बल्कि इसके पीछे एक इमोशनल छिपा होता है। घर पर मां के हाथ का बना खाना हो या बाहर की चटपटी चाट, लगभग हर भारतीय खाने-पीने का शौकीन होता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि कब खाने-पीने की ये चीजें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। जी हां, कुछ भी खाते वक्त ये ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है कि आप हेल्दी खाना खा रही हैं या फिर अनहेल्दी चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बना रही हैं। क्या आपको भी समोसा, जलेबी, लड्डू और पकौड़े जैसी फाइड और मीठी चीजें बहुत पसंद हैं और आप इन्हें अक्सर खाती हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। इनसे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकती हैं और इन्हें खाने पर अब सरकार की तरफ से चेतावनी दी जाएगी।

समोसे और जलेबी ज्यादातर लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन, इनमें मीठे और तेल की मात्रा बहुत अधिक होती है। ज्यादातर लोग इन्हें स्वाद में खा तो लेते हैं लेकिन यह नहीं जानते हैं कि इनमें कितना तेल और शुगर छिपी है और कैसे यह उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन, अब आप ये जान पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अब स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सभी केंद्रीय संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे खाने-पीने की चीजों जैसे पकौड़ा, समोसा, वड़ा पाव, लड्डू और जलेबी पर ऑयल और शुगर बोर्ड लगाएं। जिससे कि लोगों को यह पता चल सके कि वे जिस स्नैक को खा रहे हैं, उसमें कितनी चीनी और तेल छिपा है। दरअसल ये बोर्ड्स एक चेतावनी की तरह काम करेंगे जिससे लोगों को ये समझ आए कि जिन फूड आइटम्स को वे अपने रूटीन में बेझिझक शामिल कर रहे हैं, वे कैसे उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे लोग इन चीजों को सोच-समझकर ऑर्डर करेंगे, मोटापा, बीपी, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज समेत कई दिक्कतें कम हो सकती हैं, खाना बनाने वाले लोग भी बैलेंस ऑयल और शुगर के इस्तेमाल की कोशिश करेंगे।

मोटापा बनता जा रहा है भारत के लिए बड़ी समस्या

इस समय मोटापा भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। अनुमान है कि 2050 तक भारत में लगभग 45 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में यह एक सराहनीय कदम हो सकता है। सेहतमंद रहने के लिए अनहेल्दी फैट्स और रिफाइंड शुगर से दूर रहना और हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। बताया जा रहा है कि इस योजना की शुरुआत फिलहाल नागपुर के सरकारी संस्थानों में की जा रही है।

इन बीमारियों में हाथ पैर पड़ जाते हैं सुन्न

समय रहते नहीं हुई पहचान तो होंगे लाखों खर्च

हाथ-पैर में सुन्नता, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है।

सामान्य जीवन के लिए हाथ-पैर का सही से काम करना बेहद जरूरी है, पर कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण हाथ-पैर कमजोर पड़ जाते हैं। खासकर हाथ-पैर में आई सुन्नता अपने आप में एक बेहद गंभीर स्थिति है, जो घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है। इसलिए समय रहते इसकी पहचान जरूरी है और यहां हम आपको इसी संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहे हैं। गौरतलब है कि अगर समय पर इलाज मिल जाए तो गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम होता है। हाथ-पैरों की सुन्नता के संबंध में भी यही बात लागू होती है। समय रहते ही इसकी असल समस्या की पहचान जरूरी है। इसलिए उन समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक हो जाता है, जिनके कारण हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या आती है।

हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सुन्नता नर्व के डैमेज होने की स्थिति में होती है। ऐसी स्थिति किसी एक नर्व के दबने या क्षतिग्रस्त होने से भी हो सकती है या बहुत सारे नर्व के प्रभावित होने से। हमारे शरीर में लगभग 96 हजार किलोमीटर की तंत्रिका तंत्र कार्य करती है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों और अंगों को सिग्नल पहुंचते हैं और वे कार्य करते हैं। दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के हिस्से में जब कोई नर्व डैमेज होता है तो सिग्नल टूटने के कारण हाथ और पैरों में सुन्नता आ जाती है। ऐसे में सुन्नता के साथ कई बार हाथ-पैर में झनझनाहट और दर्द भी महसूस हो सकता है। अब बात करते हैं कि कौन-कौन सी समस्याओं में ऐसी स्थिति बन सकती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्केलेरोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़ी घातक स्थिति है, जिसमें दिमाग, रीढ़ की हड्डी और ऑप्टिकल यानी आंख की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में मांसपेशियों में कमजोरी के साथ ही शरीर के अलग-अलग हिस्सों में सुन्नता उत्पन्न हो जाती है। बात करें इसके लक्षणों की तो हाथ-पैर में सुन्नता के साथ ही थकान और चक्कर आना, याददाश्त का कमजोर पड़ना और चेहरे की तंत्रिकाओं में दर्द महसूस होना भी शामिल है।

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में भी हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस हो सकती है। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क और संवेदी रिसेप्टर्स तंत्रिकाओं के मार्ग को अवरुद्ध कर सकता है, ऐसी स्थिति में सिग्नल के टूटने के कारण हाथ-पैर या शरीर के दूसरे हिस्से काम करना बंद कर देते हैं।

डायबिटीज न्यूरोपैथी

शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ा हुआ स्तर तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, जिसके कारण हाथों और पैरों की सुन्नता की स्थिति बन सकती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को असामान्य रूप से प्यास लग सकती है या अधिक यूरिन आने की दिक्कत पेश आ सकती कती है। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो अपने ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं। वरना आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

कार्पल टनल सिंड्रोम

कार्पल टनल सिंड्रोम भी तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण हाथों में सुन्नता, आती है। असल में ऐसा तब होता है जब हाथ की प्रमुख नसों में से कोई एक दब जाती है। ऐसे में समय रहते इसका उपचार जरूरी है, वरना आगे चलकर स्थिति गंभीर हो हो सकती है। इसके कारण हाथ और उंगलियां पूरी तरीके से काम करना बंद कर सकती हैं।

किडनी की बीमारी

किडनी डैमेज होने या उसमें आई खराबी के चलते भी हाथ-पैर की सुन्नता की हो सकती है। दरअसल, किडनी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पर इसके खराब होने की स्थिति में जब विषाक्त पदार्थ सही से बाहर नहीं निकल पाते हैं तो वो तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हाथ और पैर में झनझनाहट और सुन्नता हो सकती है। बता दें कि अल्होकल के अधिक सेवन के परिणामस्वरूप भी हाथ-पैर में सुन्नता आ सकती है। वहीं कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी हाथ-पैर में सुन्नता की स्थिति देखने को मिलती है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हाथ-पैर में सुन्नता आना, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है। उम्मीद करते हैं कि सेहत से जुड़ी यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

जिम में क्यों आता है हार्ट अटैक?

आजकल जिम करते वक्त काफी लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। आइए एक्सपर्ट से समझते हैं इसका असली कारण क्या है। और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

फिट रहने के लिए लोग आजकल जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीने बहाते हैं। लेकिन बीते कुछ दिनों से अक्सर यह खबर सुनने को मिलती है कि जिम में हार्ट अटैक आ गया। तो क्या स्वस्थ रहने की कोशिश जानलेवा साबित हो रही है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खासकर युवाओं में डर का माहौल हो गया है। आइए जानते हैं, जिम में हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

जिम में क्यों आ रहा है हार्ट अटैक?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अक्सर हमें लगता है की हेवी एक्सरसाइज से दिल पर दवाब पड़ता है और दिल का दौरा पड़ जाता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हेवी एक्सरसाइज जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आप डाइट कैसी ले रहे हैं। आप स्मोकिंग करते हैं, नींद कैसी है आपकी, आप पानी पीते हैं या नहीं। कुछ लोग तो स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ लोग जेनेटिक सिंड्रोम के चलते इसकी चपेट में आते हैं। ये सभी चीजें मिलकर आपके दिल पर असर डालती है।

- जिन लोगों की डाइट खराब है, कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। धमनियों में पहले से प्लाक जमा हो उनमें हेवी एक्सरसाइज के दौरान अचानक से ब्लड फ्लो बढ़न से हार्ट अटैक आ सकता है।
- कई बार कुछ लोगों का बीपी बढ़ा हुआ रहता है, और वो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे भी दिल पर दबाव पड़ता है।
- अगर आप 40 साल से अधिक के हैं या आपको हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास रहता है, तो जिम जाने से पहले अपना चेकअप कराएं।
- हाइड्रेट रहें। अपने शरीर की सुनें। अगर छाती में दर्द या सांस में तकलीफ होती है, तो तुरंत एक्सरसाइज बंद कर दें।

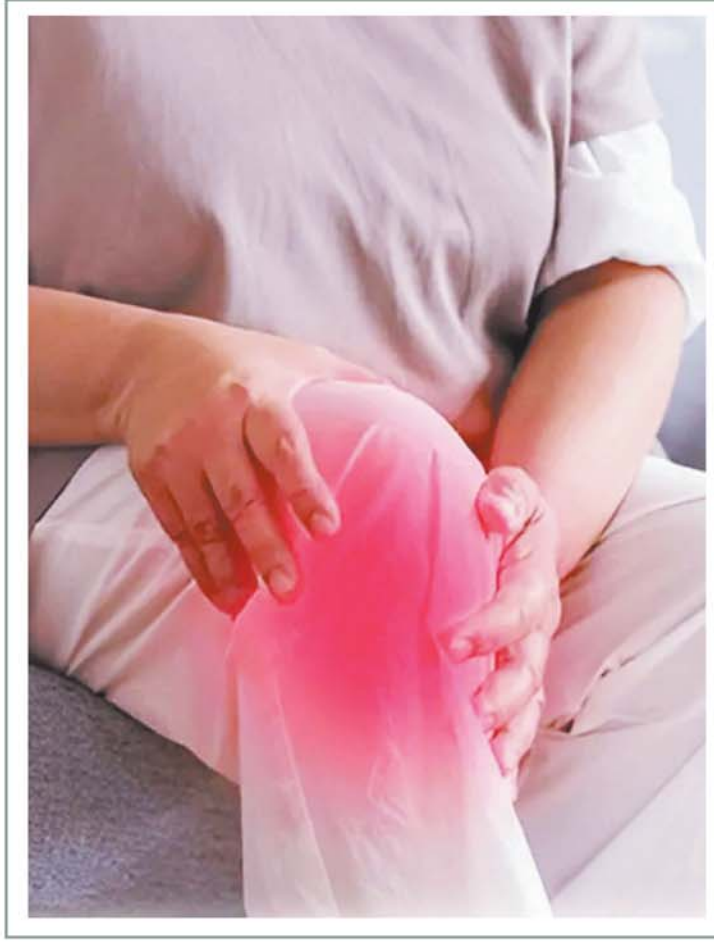

क्या आपके घुटने भी लॉक हो जाते हैं?

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि चलते-फिरते या उठते-बैठते आपका घुटना अचानक से मुड़कर अटक गया हो और उसे सीधा करने में आपको जोर लगाना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेडिकल रूप से इस शब्द का सही अर्थ क्या है?

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपका घुटना अचानक मुड़ा का मुड़ा रह गया हो और उसे सीधा करने के लिए आपको झटका देना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो? इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में घुटने का लॉक होना कहते हैं। अक्सर लोग घुटनों से आने वाली आवाज या हल्के दर्द को भी लॉकिंग समझ लेते हैं, लेकिन डॉक्टर बताते हैं कि यह सही नहीं है। डॉक्टर का कहना है, जब हम कहते हैं कि घुटना लॉक हो गया, तब सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि घुटना लॉक होने का असली मतलब क्या है। हम अक्सर ऐसे कई मरीज देखते हैं जो कहते हैं कि सर, हमारा घुटना लॉक हो गया है। लेकिन, वह किसी तरह की आवाज या हल्के दर्द या असुविधा को लॉकिंग समझ लेते हैं। असल में घुटना लॉक होने का मतलब यह होता है कि आपका घुटना मुड़ा का मुड़ा रह गया है और उसे सीधा करने के लिए आपको या तो हाथ से बल लगाना पड़ रहा है या फिर कोई झटका देना पड़ रहा है या किसी दूसरे व्यक्ति की मदद से उसे सीधा करना पड़ रहा है। इस कंडीशन को मेडिकली लॉकिंग कहते हैं।

घुटने लॉक होने के कारण

डॉक्टर समझाते हैं कि घुटने लॉक होने का सबसे आम कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन होता है। इसका मतलब है कि घुटने के जोड़ के अंदर कोई बाहरी या ढीली चीज फंस जाती है, जिससे घुटने की नॉर्मल स्पीड रुक जाती है।

अब सवाल यह है कि यह लूज बॉडी या ढीली चीज आती कहां से है? यह लूज बॉडी आमतौर पर हमारे घुटने के जोड़ के अंदर मौजूद सॉफ्ट टिश्यूज या हड्डियों के छोटे टुकड़ों से बनती है।

मेनिस्कस का टूटना

घुटनों में मौजूद मेनिस्कस होता है, जो वॉशर या कुशन की तरह काम करता है। यह घुटने के जोड़ को स्थिरता देता है और झटकों को सहने में मदद करता है। जब किसी युवा का खेलकूद के दौरान या किसी चोट के कारण घुटने में मेनिस्कस को फट जाता है, तो इसका टूटा हुआ हिस्सा जोड़ के बीच में फंस सकता है। यह युवाओं में घुटने के लॉक होने का आम कारण है।

कार्टिलेज का टुकड़ा या अन्य ढीली वस्तु

जब लोग बढ़ती उम्र में घुटने में घिसाव का अनुभव करते हैं, तब घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं। इस घिसाव के कारण कार्टिलेज के छोटे-छोटे टुकड़े टूटकर घुटने के जोड़ के अंदर तैरने लगते हैं। ये छोटे टुकड़े या कोई और ढीली वस्तु जो घिसाव से जोड़ में आ जाती है, वह भी घुटने को लॉक कर सकती है।

लिगामेंट टियर

कई बार घुटने में लिगामेंट के फटने से घुटना लचकने लगता है, जैसे एसीएल टियर (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) में घुटना अपनी जगह से थोड़ा हिल सकता है और यह भी मरीज को लॉकिंग जैसी कंडीशन दे सकता है, भले ही कोई चीज फंसी न हो। यह स्यूडो-लॉकिंग हो सकती है। एसीएल आपके घुटने के अंदर मौजूद एक ऐसा लिगामेंट है, जो आपकी जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ता है और आपके घुटने को स्थिर रखता है। डॉक्टर यह बात दोहराते हैं कि घुटने के लॉक होने का मुख्य कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन ही होता है, यानी कोई ऐसी ढीली चीज जो जोड़ के बीच में फंस रही हो और उसकी नॉर्मल स्पीड को रोक रही हो। यदि आप घुटने के लॉक होने की समस्या का अनुभव करते हैं, तो तुरंत ऑर्थोपेडिक सर्जन के पास जाएं, ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के लिए सीडीसी की निदेशक नियुक्त हुईं सुसान मोनारेज

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सीनेट ने अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के निदेशक पद के लिए सुसान मोनारेज की नियुक्ति की पुष्टि कर दी है। 50 वर्षीय मोनारेज को जनवरी में कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया था और फिर मार्च में ट्रंप द्वारा अपनी पहली पसंद डेविड वेल्डन को अचानक वापस लेने के बाद उन्हें नामित किया गया। इस संघीय एजेंसी का काम बीमारियों पर नजर रखना और स्वास्थ्य संबंधी खतरों से निपटना है। उन्हें 51-47 वोट मिले।

सिंगापुर में नौकरी के लिए पैसे मांगे भारतीय को जेल

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने भारत के चरणजीत सिंह (20) को धोखाधड़ी और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने का दोषी पाया है। उस पर घरेलू कामगार को उसके रिश्तेदारों के लिए फर्जी नौकरी के प्रस्ताव के लिए 3,700 सिंगापुरी डॉलर मांगने का आरोप लगा था। सिंह को 13 हफ्ते जेल की सजा सुनाई गई है। उसने अक्तूबर 2024 में भारतीय घरेलू कामगार से रिश्तेदारों को नौकरी की अर्जी के लिए रकम मांगी।

नेब्रास्का के बायोफ्यूल प्लांट में धमाका, दो लड़कियों समेत एक कर्मचारी की मौत

लिंकन, एजेंसी। नेब्रास्का के एक बायोफ्यूल प्लांट में मंगलवार को जोरदार धमाका हुआ, जिसमें दो लड़कियों और एक कर्मचारी की मौत हो गई। दोनों लड़कियां अपने किसी रिश्तेदार का इंतजार कर रही थीं, जो वहीं काम कर रहा था। हादसे के बाद से फैक्ट्री में आग लगी हुई है, जो बुधवार तक भी बुझ नहीं पाई थी। फ्रेमोंट शहर के मेयर जॉय स्पेलरबर्ग ने बताया कि लड़कियां डॉक्टर के पास जाने से पहले इस फैक्ट्री में आई थीं। उनकी उम्र लगभग 12 साल से कम बताई गई है। डॉज काउंटी के एक पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की कि तीनों लोग एक ही परिवार के सदस्य थे।

रूस ने इंटरनेट की चिंता के चलते ओक्ला के स्पीडटेस्ट पर रोक लगाई

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका की एक कंपनी द्वारा बनाए गए इंटरनेट स्पीड जांचने वाले टूल ओ ओक्ला स्पीडटेस्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका कारण यह बताया गया है कि इंटरनेट की धीमी गति और सुरक्षा खतरों को देखते हुए यह टूल रूस के लिए खतरा बन सकता है। रूस के संचार नियामक रोस्कोम्नाडज़ोर का कहना है कि स्पीडटेस्ट जैसे टूल से इंटरनेट की स्पीड और डिले का पता चल जाता है, और यह जानकारी दुश्मन देशों द्वारा इस्तेमाल की जा सकती है- जैसे कि दूर से कंट्रोल किए जाने वाले ड्रोन के लिए। रिपोर्ट के अनुसार, स्पीडटेस्ट कंपनी ओ ओक्ला पर पहले भी जुर्माना लगाया जा चुका है क्योंकि उसने रूसी यूजर्स का डेटा रूस के अंदर स्टोर नहीं किया था।

सिंगापुर की राष्ट्रपति से मिलेंगे 7 भारतीय मजदूर

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में हाल ही में एक सिंकहोल हादसे में महिला ड्राइवर की जान बचाने वाले सात भारतीय प्रवासी मजदूरों को राष्ट्रपति थरमन शनमुगरत्नम ने 3 अगस्त को इस्ताना प्रेसिडेंशियल पैलेस में होने वाले ओपन हाउस कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। इन सभी की बहादुरी की प्रशंसा राष्ट्रपति, मंत्रालय और आम जनता ने की है। इनके लिए 72,241 सिंगापुर डॉलर की राशि दान स्वरूप भी जुटाई गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले भारतीय को सिंगापुर में सजा

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर हाईकोर्ट ने भारतीय नागरिक रामलिंगम सेल्वशेखरन (58) को 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के तीन मामलों में दोषी पाते हुए 14 साल, तीन महीने और दो सप्ताह की जेल की सजा सुनाई है। उसकी उम्र 50 से अधिक होने के कारण उसे बेंत की सजा नहीं दी गई, लेकिन उसके स्थान पर अतिरिक्त कारावास दिया गया।

अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान क्रैश पायलट सुरक्षित; लेमूर एयरबेस के पास हादसा

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी नौसेना का एफ-35 फाइटर जेट कैलिफोर्निया के नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास क्रैश हो गया। नौसेना के बयान के अनुसार, पायलट ने समय रहते अपनी जान बचा ली, फिलहाल वो सुरक्षित है और खतरे से भी बाहर है।

यह विमान स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन वीएफ-125 रफ रेडर्स से जुड़ा था। इन इकाई वाले विमानों का प्रयोग अधिकतर पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। हादसे के बाद से ही अमेरिकी नौसेना मुस्तैद है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

100 मिलियन डॉलर का था यह लड़ाकू विमान

जो एफ-35 विमान क्रैश हुआ, वह लगभग 100 मिलियन डॉलर यानी करीब 830 करोड़ रुपये की लागत वाला था। यह अमेरिकी नौसेना के लिए डिजाइन किया गया एक विशेष वैरिएंट है जिसे एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ाया जा सकता है। इस विमान को लॉकहेड मार्टिन कंपनी बनाती है और इसे अत्याधुनिक स्टील्थ, रडार अवॉइडेंस और लड़ाकू क्षमताओं के लिए जाना जाता है। नौसेना के अनुसार यह विमान वीएफ-125 रफ रेडर्स नामक स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन से जुड़ा था। यह

स्क्वाड्रन एक फ्लीट रिप्लेसमेंट यूनिट है, जो नए पायलटों और एयरक्रू को प्रशिक्षित करने का काम करती है। यानी यह विमान किसी मिशन पर नहीं बल्कि प्रशिक्षण उद्देश्यों के तहत उड़ान पर था।

एफ-35 अमेरिका और उसके 19 सहयोगी देशों की पहली पसंद है, जो वैश्विक सुरक्षा को मजबूत करता है और दुनियाभर में खतरों को रोकने की क्षमता देता है। यह लड़ाकू विमान स्थिरता, इंटरऑपरेबिलिटी और बेहतरीन मूल्य प्रदान करता है। ये अमेरिकी सेना के लिए सबसे अहम फिफ्थ जनरेशन फाइटर जेट माना जाता है। इसे अमेरिकी वायुसेना, नौसेना और मरीन कॉर्प्स तीनों अलग-अलग वैरिएंट्स में इस्तेमाल करते हैं। यह साझेदार देशों के बीच तालमेल बढ़ाकर साझा प्रतिरोध को सशक्त करता है। एफ-35 के बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से साझेदार देश एकजुट होकर दुनिया में शांति की रक्षा करते हैं। इसकी तकनीक और रणनीतिक क्षमताएं वैश्विक शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

सुनामी के अलर्ट के बाद लोगों की मदद के लिए ओपरा विन्फ्रे ने नहीं खोली निजी सड़क, यूजर्स ने घेरा

हवाई, एजेंसी।
रूस के पूर्वी तट कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.7 तीव्रता वाले भूकंप के बाद जानी मानी टीवी शो निर्माता और होस्ट ओपरा विन्फ्रे को सोशल मीडिया पर लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। लोग घरों से निकले, लेकिन ओपरा विन्फ्रे ने हवाई के कुला से वाइलिया को जोड़ने वाली अपनी निजी सड़क को नहीं खोला। सुनामी के अलर्ट के बाद लोग एक साथ सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए निकले तो हवाई में जगह-जगह जाम लग गया। लोगों ने कहा कि अगर ओपरा अपनी निजी सड़क खोल देंती तो लोगों को मदद मिल सकती थी।

बुधवार को रूस में कामचटका प्रायद्वीप के पास शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 8.7 दर्ज की गई। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सुबह 8:25 बजे भूकंप समुद्र के नीचे उथले इलाके में आया। इसके कारण रूस, जापान, गुआम, हवाई और अलास्का में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। सुनामी की चेतावनी के बाद लोग घरों से सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए निकले। इस दौरान हवाई में जगह-जगह जाम लग गया। लोगों ने जाम में फंसने के दौरान ओपरा विन्फे पर गुस्सा निकाला। लोगों ने एक्स पर लिखा कि ओपरा हवाई के वाइले से कुला तक अपनी निजी सड़क नहीं खोलेंगी, जिससे स्थानीय लोगों के लिए ऊंचे स्थानों पर पहुंचना आसान हो जाएगा। माउई में भारी यातायात है और हजारों लोग आने वाली भयंकर सुनामी से बचने की कोशिश कर रहे हैं। ओपरा सड़क खोल दीजिए। एक अन्य यूजर ने लिखा कि क्या उसे उत्पीड़ित नहीं होना चाहिए था? उसके पास अपना निजी रास्ता कैसे है? क्या वह महिला और अश्वेत नहीं है? क्या वह अंतर्संबंधता पैमाने पर बहुत उच्च स्कोर नहीं करती है? मुझे यह समझ में नहीं आता।

दुनिया में घट गए 4 ईसाई देश

पेरिस , एजेंसी। ईसाई बहुल देशों की संख्या दुनिया में 2010 में 124 थी, जो 2020 में घटकर 120 पर आ गई है। इसकी वजह यह है कि कई देशों में ईसाई आबादी का अनुपात कम हुआ है। जनसंख्या वृद्धि दर में कमी और अपने धर्म को छोड़कर नास्तिक बनना या किसी और मजहब को स्वीकार करना इसकी अहम वजह है। जिन देशों में ईसाई आबादी अब बहुसंख्यक नहीं रही है, वहां कमी का कारण यह है कि बड़ी संख्या में लोगों ने धर्म को छोड़ दिया। ये लोग खुद को अब किसी भी धर्म से नहीं जोड़ते हैं। ये खुद को नास्तिक, अज्ञेयवादी अथवा अनीश्वरवादी मानते हैं। कुल मिलाकर ईसाई देशों की संख्या में 10 सालों के अंतराल में ही बड़ी कमी आ गई और 4 देश नक्शे से घट गए।

कुल 5 फीसदी देश दुनिया के ऐसे हैं, जहां बहुसंख्यक आबादी किसी भी धर्म को ना मानने वालों की है। अब बात करते हैं कि आखिर वे कौन से देश हैं, जहां की अब बहुसंख्यक आबादी ईसाई नहीं रही। इन देशों में यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और उरुग्वे जैसे बड़े देश हैं। अब यूके में ईसाई आबादी 49 फीसदी ही बची है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में 47 फीसदी, फ्रांस में 46 और उरुग्वे में 44 फीसदी ही ईसाई जनसंख्या बची है। उरुग्वे में किसी भी धर्म को ना मानने वालों की संख्या 52 फीसदी हो गई है। एक और तथ्य यह है कि नीदरलैंड में भी बहुमत (54 फीसदी) अब किसी मजहब को न मानने वालों का है। इसके अलावा न्यूजीलैंड में यह नंबर 51 पर्सेंट है।

दुनिया के 201 मान्यता प्राप्त देशों में अब 120 ही ईसाई बहुल बचे हैं। इसके अलावा सिर्फ दो देश ही हिंदू बहुल हैं। इन देशों में एक भारत है और दूसरा नेपाल। दिलचस्प फैक्ट है कि 95 फीसदी हिंदू आबादी अकेले भारत में ही बसती है। इसके अलावा बाकी 5 फीसदी जनसंख्या पूरी दुनिया में बिखरी हुई है। यही नहीं दुनिया की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 15 फीसदी है। कुल मिलाकर दुनिया के 60 फीसदी देश अब भी ईसाई बहुल है। हालांकि आने वाले दशकों में इस स्थिति में और बदलाव हो सकता है।

ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ की बड़ी ऑयल डील, बोले- एक दिन भारत को तेल बेचेगा पाक

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक बड़ा व्यापारिक करार किया है। इसके तहत दोनों देश मिलकर पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार विकसित करेंगे।

इससे पहले ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को लेकर कहा था कि भारत मित्र देश हैं। हालांकि उन्होंने टैरिफ में किसी राहत से इनकार कर दिया था।

अब ट्रंप पाकिस्तान के साथ ऑयल डील की बात कह रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप किन तेल भंडारों की बात कर रहे हैं।

पाक के साथ मिलकर विशाल तेल भंडार विकसित करेंगे: ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमने पाकिस्तान के साथ एक करार किया है। इसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका मिलकर उनके विशाल तेल भंडारों को विकसित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अभी यह तय हो रहा है कि कौन सी तेल

कंपनी इस साझेदारी को लीड करेगी। पाकिस्तान अभी मध्य पूर्व से तेल आयात करता है ताकि उसकी ऊर्जा ज़रूरतें पूरी हों।

लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के पास समुद्र में विशाल तेल भंडार हैं। ये तकनीकी कमी और पैसों की कमी की वजह से अभी तक इस्तेमाल नहीं हो सके। पाकिस्तान इन भंडारों को विकसित करने के लिए निवेश जुटाने की कोशिश में है। ट्रंप ने मजाक में कहा, कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।

पाकिस्तान की तरफ से इस करार पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।: दोस्ती की बात कहकर ट्रंप ने मोड़ा मुंह

ट्रंप का यह ऐलान ऐसे वक्त में आया है जब उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की घोषणा की है। यह टैरिफ भारत से आने वाली सभी चीजों पर लागू होगा। इसके साथ ही, रूस से सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने की वजह से भारत पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगेगा। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों को सबसे सख्त और आपत्तिजनक बताया।

रूस ने ट्रंप के अल्टीमेटम को दिखाया ठेंगा: यूक्रेन में सीधे नागरिकों पर बरसीं मिसाइलें, 6 मरे व 52 घायल

मास्को , एजेंसी।
रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अल्टीमेटम को ठेंगा दिखाते हुए यूक्रेन की राजधानी पर रात में मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया जिसमें छह साल के बच्चे सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कीव सिटी सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने कहा कि हमलों में कम से कम 52 अन्य लोग घायल हुए हैं तथा यह संख्या बढ़ने की आशंका है। तकाचेंको ने बताया कि इस हमले से नौ मंजिला आवासीय इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया।उन्होंने बताया कि बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर लिखा, मिसाइल हमला। सीधे एक रिहायशी इमारत पर। लोग मलबे के नीचे हैं। सभी सेवाएं

घटनास्थल पर हैं। घटनास्थल की तस्वीरों में आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत से धुंए का गुबार निकलता हुआ तथा जमीन पर मलबा बिखरा हुआ दिखाई दे रहा है। तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 स्थानों पर हमला हुआ, जिसमें सबसे अधिक नुकसान सोलोमिंस्क्यी और स्वियातोशिनस्क्यी जिलों में हुआ।

16 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं देख पाएंगे यूट्यूब, ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने लिया फैसला

सिडनी , एजेंसी।
ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने घोषणा की है कि यूट्यूब उन इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म में शामिल होगा, जिन्हें दिसंबर से यह सुनिश्चित करना होगा कि यूजर्स की उम्र कम से कम 16 वर्ष हो।

यूट्यूब को पिछले साल नवंबर में एक अपवाद के रूप में सूचीबद्ध किया गया था, जब संसद ने दुनिया का पहला ऐसा कानून पारित किया था जो 16 साल से कम उम्र के बच्चों को फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंधित कर देंगे।

आयु प्रतिबंध 10 दिसंबर से प्रभावी होंगे और कम उम्र के यूजर्स को बाहर करने के लिए जिम्मेदार कदम उठाने में विफल रहने पर प्लेटफॉर्म पर पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जाएगा। ये कदम अभी तक परिभाषित नहीं किए गए हैं।

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि बच्चों पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों का नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और इंटरनेट मीडिया को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी की याद दिलाता हूं। वह चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता जानें कि हम उनके साथ हैं।

यूट्यूब का कहना है कि इसे 13 से 15 वर्ष के लगभग तीन-चौथाई ऑस्ट्रेलियाई उपयोग करते हैं और इसे इंटरनेट मीडिया के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इसकी मुख्य गतिविधि वीडियो होस्ट करना है। यूट्यूब के एक प्रवक्ता ने कहा, यूट्यूब एक वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म है जिसमें मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री की लाइब्रेरी है। यह इंटरनेट मीडिया नहीं है।

विमान में टर्बुलेंस से यात्री घायल, अमेरिका में डेल्टा विमान की करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में डेल्टा एयरलाइंस के एक यात्री विमान की गंभीर टर्बुलेंस के बाद इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। डेल्टा एयरलाइंस के अनुसार, साल्ट लेक सिटी से एम्स्टर्डम जा रही एक उड़ान बुधवार रात गंभीर टर्बुलेंस की चपेट में आ गई, जिससे यात्री घायल हो गए। इसके बाद विमान को मिनियापोलिस-सेंट पॉल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़कर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

एयरलाइन ने कहा कि मेडिकल स्टाफ ने उड़ान का निरीक्षण किया और 25 यात्रियों को जांच और उपचार के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। उड़ान के दौरान होने वाली टर्बुलेंस से गंभीर चोटें आनीं दुर्लभ हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण जेट स्ट्रीम में परिवर्तन होने के कारण ऐसे मामले अधिक आम हो सकते हैं। मई 2024 में सिंगापुर एयरलाइंस की एक उड़ान में ऐसी ही एक गंभीर परेशानी आने से आने से एक व्यक्ति की मौत हो ग थी ई, जो कई दशकों में किसी प्रमुख एयरलाइन में टर्बुलेंस के कारण किसी यात्री की मौत का पहला मामला था।

कनाडा का ऐतिहासिक फैसला: गाजा युद्ध के बीच फिलीस्तीन को मान्यता का ऐलान

टोरंटो , एजेंसी।
गाजा में इजराइल के भीषण हमलों और हजारों फिलीस्तीनियों की मौत के बीच कनाडा ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार फिलीस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देगी। कार्नी ने कहा कि यह मान्यता संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में सितंबर 2025 में दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कनाडा हमेशा चाहता था कि इजराइल और फिलीस्तीन के बीच आपसी बातचीत से दो-राष्ट्र समाधान निकले, लेकिन अब यह तरीका संभव नहीं लग रहा है। कनाडा से पहले इसी महीने ब्रिटेन और फ्रांस ने भी फिलीस्तीन को मान्यता देने

का ऐलान किया है। इन तीनों देशों का मानना है कि इससे गाजा में हिंसा और वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को रोका जा सकेगा और शांति के प्रयासों को मजबूती मिलेगी।

प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि यह मान्यता कुछ शर्तों पर आधारित होगी। इसमें फिलीस्तीनी प्रशासन और राष्ट्रपति महमूद अब्बास द्वारा जरूरी सुधार करना, 2026 में आम चुनाव कराना और हामास को भविष्य में किसी भी तरह की भूमिका से बाहर रखना शामिल है। उन्होंने साफ किया कि हामास को किसी भी सूरत में भविष्य में फिलीस्तीन की सरकार या चुनाव में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। कई जानकार मानते हैं कि इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन कनाडा का कहना है कि आतंक और हिंसा को समर्थन नहीं दिया जा सकता। कार्नी ने कहा, दो-राष्ट्र समाधान को जिंदा रखना जरूरी है। हमें हर उस इंसान के साथ खड़ा होना होगा जो आतंक और हिंसा के बजाय शांति चाहता है। दूसरी तरफ अमेरिका ने कनाडा, ब्रिटेन और फ्रांस के इस फैसले का खुलकर विरोध किया है। अमेरिका, जो इजराइल का सबसे बड़ा सहयोगी है, का कहना है कि फिलीस्तीन को मान्यता देना दरअसल हामास को इनाम देना है । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के ऐलान पर भी तंज कसते हुए कहा, उनके कहने से कुछ नहीं बदलने वाला। उन्होंने ब्रिटेन के कदम पर भी कहा कि यह फैसला सही नहीं है और यह मुद्दा हाल ही में ब्रिटिश प्रधानमंत्री किअर स्टार्मर से हुई बैठक में भी नहीं उठा था।ट्रंप ने कहा, *अगर आप ऐसा करते हैं तो आप आंतकी हमास को इनाम दे रहे हैं। मैं इस सोच के खिलाफ हूं। गौरतलब है कि इजराइल ने अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के जवाब में गाजा पर बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया था। इसमें अब तक 60 हजार से ज्यादा फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं और पूरा गाजा पट्टी बर्बाद हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र और कई मानवाधिकार समूहों ने इजराइल पर नरसंहार के आरोप लगाए हैं।

कनाडा ने पिछले साल इजराइल को नए हथियार निर्यात पर रोक लगाने का ऐलान किया था। लेकिन हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि कनाडा से अभी भी हथियार इजराइल भेजे जा रहे हैं। इसके बाद कनाडा सरकार पर झूठ बोलने के आरोप लगे हैं।कनाडा की मुस्लिम काउंसिल ने प्रधानमंत्री कार्नी के इस फैसले का स्वागत किया है, लेकिन उन्होंने कहा कि सिर्फ फिलीस्तीन को मान्यता देना काफी नहीं है। उन्होंने मांग की कि इजराइल पर और सख्त प्रतिबंध लगाए जाएं और सभी हथियार सौदों को तुरंत रद्द किया जाए।

डब्ल्यूसीएल 2025

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने की राह में मुश्किल पैदा करेगा दक्षिण अफ्रीका

बर्मिंघम, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के

लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां पर दर्शकों को अपने चहेते खिलाड़ियों को देखने का मौका मिलता है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की ओर से इस टूर्नामेंट ने विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नामों को एक मंच पर लाने का सफल प्रयास किया। इस सीजन में युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना, क्रिस गेल, डीजे ब्रावो, ब्रेट ली, क्रिस लिन, शॉन मार्श, इयोन मोर्गन, मोइन अली, और सर एलेस्टेयर कुक जैसे सितारों ने दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित किया।

भारतीय फुटबॉल कप्तान ने एएफसी महिला एशियाई कप में सफलता पाने का राज बताया

उदयपुर, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा क्योंकि उन्हें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए मैत्रीपूर्ण मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत पर जोर दिया है।भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद

उनका सामना 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से होगा। उदयपुर के पास जावर में जिंक फुटबॉल गर्ल्स अकादमी के शुभारंभ के दौरान स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए एक कठिन चुनौती होगी, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) महिला फुटबॉल के विकास के लिए अकादमी को तकनीकी और रणनीतिक सहायता प्रदान करेगा। जिंक फुटबॉल अपनी तरह की एक अनूठी जमीनी स्तर की फुटबॉल विकास पहल है, जिसके मूल में विश्व स्तरीय सुविधाओं वाली एक पूर्ण आवासीय गर्ल्स फुटबॉल अकादमी और देश की पहली तकनीक-आधारित फुटबॉल प्रशिक्षण - अनूठी एफ-क्यूब तकनीक है।

कोको गॉफ की एक और जीत

अंतिम 16 में पहुंचीं, कुदेरमेतोवा को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कोको गॉफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन 14 डबल-फॉल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रही। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के खिलाफ 23 डबल-फॉल्ट और तीसरे सेट के टाईब्रेकर से बचने के दो दिन बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त गॉफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गॉफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

खालिद जमील बने भारतीय फुटबॉल टीम के नए कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया है। शुक्रवार को एआईएफएफ ने इसका एलान किया। खालिद ने 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब दिलाया था। 13 वर्षों में पहली बार किसी भारतीय को भारतीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया गया है।

तीन लोगों की सूची में से चुना गया

पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर 48 वर्षीय जमील को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यों की सूची में से चुना है। अन्य दो दावेदार भारत के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। स्टीफन पहले स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे।

मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे

- 4 दिसंबर को मुंबई में एक इवेंट में शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी दिसंबर में भारत दौरे पर आएंगे। मेसी 14 साल के लंबे समय के बाद भारत आ रहे हैं। वो 13 से 15 दिसंबर तक भारत में रहेंगे और कुल तीन शहरों का दौरा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी 13 से 15 दिसंबर तक कोलकाता, दिल्ली और मुंबई का दौरा करेंगे। मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम 14 दिसंबर को एक इवेंट में शामिल होंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, कुछ क्रिकेटर्स भी इस इवेंट में शामिल होंगे। ईडन गार्डन्स स्टेडियम भी जाएंगे इसके अलावा मेसी कोलकाता भी जाएंगे और वहां उनको ईडन गार्डन में सम्मानित किया जाएगा। इस इवेंट में वेस्ट बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी भी शामिल हो सकती हैं। मेसी कोलकाता में बच्चों के लिए एक फुटबॉल वर्कशॉप भी आयोजित करवाएंगे और साथ ही वो फुटबॉल क्लिनिक भी लॉन्च करेंगे। फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे इससे पहले, 6 जून को केरल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर वी. अब्दुरहीमन नहीं इस बात की पुष्टि की थी कि अर्जेंटीना फुटबॉल टीम जिनकी कप्तानी लियोनेल मेसी करेंगे वो अक्टूबर या नवंबर में केरल एक फ्रेंडली मैच खेलने आएंगे। ये मुकाबला तिरुवंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा। केरल सरकार से इसकी बात हो चुकी है। साल 2011 में भारत आए थे मेसी मेसी सहित अर्जेंटीना फुटबॉल टीम पिछली बार 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच के लिए भारत आई थी।

दलीप ट्रॉफी में खेलने को तैयार, सरफराज और शिवमने भी जाहिर की इच्छा

टेस्ट टीम में वापसी को आतुर श्रेयस अय्यर!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए खुद को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी और क्षेत्रीय चयन शुक्रवार एक अगस्त 2025 की दोपहर को मुंबई में होगा। श्रेयस अय्यर के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी खेलने के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। दोनों ने इस बारे में मुंबई क्रिकेट संघ को सूचित कर दिया है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस को इसकी पुष्टि करते हुए बताया, 'श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।' श्रेयस अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5 अर्धशतक और एक शतक बनाया है। श्रेयस अय्यर ने हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेड बॉल क्रिकेट (खेल का सबसे लंबा फॉर्मेट) नहीं खेला है। वह हालांकि उस भारतीय टीम का अहम हिस्सा थे, जिसने इस साल के शुरू में दुबई में 50 ओवर्स की चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

भारतीय पहलवान रचना और अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन

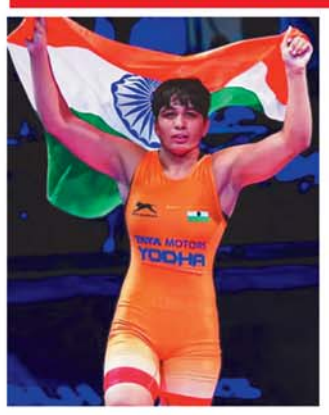

एथेंस, एजेंसी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं, जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया। उन्होंने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में एनहेलिना बुर्किना को 8-3 से हराया।

बुमराह को चुनिंदा मैच खेलने का पूरा अधिकार: भारत के सहायक कोच

लंदन, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में पांच में से तीन टेस्ट ही खेलने का निर्णय लिया और भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे के अनुसार टीम प्रबंधन को उनके कार्यभार को देखते हुए इस फैसले का सम्मान करना सही लगा। बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला लेकिन एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉर्डस और ओल्ड ट्रैफर्ड में उन्होंने खेला। निर्णायक पांचवें टेस्ट से पहले बुमराह पर फैसला लेने के लिए भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने ऐन मौके तक इंतजार किया। पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी को बाहर रखने का फैसला हमेशा कठिन होता है।

उन्होंने कहा, 'बुमराह का मसला पेचीदा है। हम चाहते थे कि वह खेले लेकिन उसके कार्यभार को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की। डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए।ओवल की हरी भरी पिच पर बुमराह काफी उपयोगी साबित होते। क्या वह चोटों से भरे अतीत के कारण अपनी मर्जी से मैच चुन रहे हैं। यह पूछने पर डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। हमने स्थिति को संभालने की कोशिश की है, यह आदर्श नहीं है, मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों। उन्होंने कहा, 'उन्हें बताना जरूरी है कि हम सभी फैसले सद्भावना से टीम के सर्वोत्तम हित में ले रहे हैं और इसी वजह से जो खिलाड़ी नहीं खेले हैं, वे शानदार रहे हैं, उन्होंने पूरी टीम को प्रशिक्षित किया है, लेकिन जब उन्हें टीम से बाहर रखा जाता है तो वे निराश होते हैं।

जिंदगी से थक गया, सुसाइड करना चाहता था..., धनश्री से तलाक पर युजवेंद्र चहल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का इस साल मार्च में तलाक हो गया था. अब चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. इस शादी में क्या-क्या गड़बड़ियां हुई, चहल ने इस बारे में खुलकर बात की. युजवेंद्र चहल ने कहा कि जब इस साल की शुरुआत में उनपर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे और तलाक की अफवाहें तेज हो गई थीं, तो वो मानसिक तनाव से गुजरे. युजवेंद्र चहल ने कहा कि उनके मन में आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे. चहल ने राज शमानी के यूट्यूब चैनल पर कहा, यह काफी समय से चल रहा था. हमने तय किया कि जब तक उस स्थिति में नहीं पहुंचेंगे जहां से वापसी संभव न हो, हम कुछ नहीं कहेंगे. हम सोशल मीडिया पर एक सामान्य कपल की तरह ही रहेंगे.

जब युजवेंद्र चहल से पूछा गया कि क्या उस वक्त वो सिर्फ दिखावा कर रहे थे, तो इस स्पिन गेंदबाज ने सिर हिलाकर हामी भरी. युजवेंद्र चहल कहते हैं, रिश्ता एक समझौते की तरह होता है. अगर एक नाराज होता है, तो दूसरे को सुनना पड़ता है. कभी-कभी दो लोगों का नेचर आपस में मेल नहीं खाता. मैं इंडिया के लिए खेल रहा था, वह भी अपना काम कर रही थी. यह 1-2 साल से चल रहा था.

युजवेंद्र चहल ने कहा, मैं इधर भी टाइम दे रहा था, उधर भी, पर रिश्ते के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं बचा. और फिर हर दिन लगता था कि छोड़ो, रहने देते हैं. हर किसी की अपनी ज़िंदगी होती है और अपने लक्ष्य होते हैं. एक पार्टनर के तौर पर आपको साथ देना होता है.

युजवेंद्र चहल ने बताया, जब मेरा तलाक हुआ, लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा. लेकिन मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया. मेरी दो बहनें हैं, और मैंने महिलाओं का सम्मान करना अपने माता-पिता से सीखा है. यह जरूरी नहीं है कि अगर मेरा नाम किसी के साथ जोड़ा जा रहा है, तो लोग व्यूज

के लिए उसके बारे में कुछ भी लिखें.

क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते थे चहल

युजवेंद्र चहल ने भावुक होते हुए कहा, मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे, अपनी जिंदगी से थक चुका था. मैं 2 घंटे रोता था, बस 2 घंटे सोता था. ऐसा 40-45 दिनों तक चला. मैं क्रिकेट से ब्रेक चाहता था. मैं क्रिकेट में इतना व्यस्त था कि ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहा था. मैंने अपने दोस्त के साथ इन चीजों को शेयर किया.

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक पर फैसला 20 मार्च 2025 को मुंबई के बांद्रा हाईकोर्ट में आया था. चहल और धनश्री ने लंबे समय तक डेटिंग के बाद 22 दिसंबर 2020 को शादी की थी. चहल काफी समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. चहल ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था.

जिला खनिज न्यास से बने शिक्षकों के लिए शासकीय भवन खंडहरों में तब्दील

भवन की बदहाल स्थिति : छह साल से वीरान पड़ा हुआ है भवन

बस्तर/जगदलपुर/मूक पत्रिका

जिला खनिज संस्थान न्यास के तहत स्वीकृत एच. टाईप भवन निर्माण (4 नग भू-बल एवं प्रथम तल प्रा. तिरिया) पर वर्ष 2020-21 में 33.69 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी कार्यपालन अभियंता, यांत्रिकी विभाग, जगदलपुर को सौंपी गई थी। भवन निर्माण को पूरे हुए अब लगभग छह वर्ष हो चुके हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक इस भवन का समुचित उपयोग नहीं हो पाया है। न तो यहां कोई कर्मचारी अथवा अधिकारी निवास कर रहा है, न ही किसी अन्य रूप में इसका उपयोग हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च कर भी भवन को यूँ ही खाली और जर्जर हालत में छोड़ देना सरकारी संसाधनों की बर्बादी है। समय-समय पर भवन की मरम्मत और रखरखाव भी नहीं हो पा रही है, जिसके चलते धीरे-धीरे इसकी स्थिति खराब होती जा रही है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से लगातार मांग की जा रही है कि इस भवन का स्थायी रूप से उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकारी धन से बनी यह संरचना उद्देश्यहीन न रह जाए और क्षेत्र के विकास में अपनी भूमिका निभा सके। सरकारी योजनाओं का असली उद्देश्य तभी पूरा होता है जब निर्माण के बाद उसका वास्तविक उपयोग हो, वरना यह सिर्फ कागजों में दिखने वाली उपलब्धि बनकर रह जाती है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शबरी एंपोरियम, और गारमेंट फैक्ट्री का किया अवलोकन

सुरजपुर/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े बीते शनिवार को कोंडागांव जिले के प्रवास पर रहीं। उन्होंने जिले में स्थित शबरी एंपोरियम में बेलमेटल कला की कलाकृतियों का अवलोकन किया और प्रसिद्ध शिल्पकार डॉ. जयदेव बघेल से भेंट कर शिल्प प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही नारियल विकास बोर्ड के कार्यालय पहुंचकर नारियल, कोको और काली मिर्च के उत्पादन की जानकारी ली।

कोंडागांव स्थित गारमेंट फैक्ट्री में महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखकर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रसन्नता व्यक्त की। यह फैक्ट्री पिछले तीन वर्षों से संचालित है और इससे 300 महिलाओं को सीधा रोजगार मिला है। उन्होंने ऐसी इकाइयों के विस्तार पर बल देते हुए महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए और अधिक प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक पीएस एल्मा, एसडीएम अजय उरांव सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

जिले के 81,781 किसानों के खाते में 20.22 करोड़ रुपये हस्तांतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त जारी

कांकेर /मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त के रूप में 20,500 करोड़ रुपये की राशि देशभर के किसानों के बैंक खातों में अंतरित की। इस अंतरण में छत्तीसगढ़ के 25लाख से अधिक किसान शामिल हैं। कांकेर जिले के 81,781 किसानों को इस किश्त के तहत 20.22 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है।

इससे किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में आर्थिक सहायता मिलेगी। कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग कांकेर के संयुक्त तत्वावधान में इस अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, कांकेर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद मोहन मण्डावी, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, सुमित्रा मारकोले, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मण्डावी, जनपद पंचायत कांकेर की अध्यक्ष पूर्णिमा कावड़े, पूर्व अध्यक्ष रामचरण कोर्राम, राजीवलोचन सिंह, जनपद सदस्य, सरपंचगण एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। किसानों को संबोधित करते हुए भरत मटियारा ने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार की प्रमुख पहल है, जिसे फरवरी 2019 में शुरू किया गया था। इसके तहत पात्र किसानों को कृषि संबंधी खर्चों के लिए प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस बार 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 20,500 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य सरकारें किसानों की स्थिति सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। साथ ही पक्के आवास, घर-घर शौचालय एवं स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के कार्य किए जा रहे हैं।तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए चरण पादुका योजना पुनः प्रारंभकी गई है और तेंदूपत्ता की दरें भी बढ़ाई गई हैं। किसानों से अपील की गई कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाएं।

पीएम किसान सम्मान निधि 20वी किस्त 9 करोड़ 70 लाख क 20,500 करोड़ रुपये की

पूर्व सांसद मोहन मण्डावी ने किसानों को किश्त प्राप्त होने पर बधाई दी और कहा कि किसान अन्नदाता हैं, उन्हें वैज्ञानिक तरीके से खेती करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने किसानों को पशुपालन, बकरी पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन जैसे सहयोगी व्यवसाय अपनाने की सलाह दी। उन्होंने लाख उत्पादन को भी एक बेहतर विकल्प बताया। गांवों में विवादों का समाधान आपसी समझ से करने की भी सलाह दी गई। कार्यक्रम को शिशुपाल शोरी, सुमित्रा मारकोले, पूर्णिमा कावड़े, रामचरण कोर्राम और राजीवलोचन सिंह ने भी संबोधित किया और किसानों को शुभकामनाएं दीं। कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर में इस अवसर पर किसान मेले का आयोजन भी हुआ। वरिष्ठ वैज्ञानिक बीरबल साहू और उप संचालक जितेन्द्र कोमरा सहित वैज्ञानिकों ने किसानों को वैज्ञानिक खेती की तकनीकों की जानकारी दी। प्रतीकस्वरूपपांच किसानों को उड़द बीज, पांच को पीएम किसान योजना का प्रमाण पत्र और मृदा कार्ड भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में एग्री-ड्रोन का प्रदर्शन भी किया गया।

योजना से मिली राहत : खाद-बीज व दवाओं की खरीद में मदद

ग्राम हाटकोंगेरा के किसान हेमलाल जैन ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से उन्हें नियमित रूप से लाभ मिल रहा है, जिससे वे खाद और बीज खरीदते हैं। ग्राम धनेलीकन्हार के किसान रमेश कुमार साहू ने बताया कि उन्हें सालाना 6,000 रुपये मिलते हैं, जिसका उपयोग वे दवाइयां और खरपतवार नाशक खरीदने में करते हैं। दोनों किसानों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

चारभाटा का आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र बना बाल विकास का उत्कृष्ट मॉडल

खेल, पोषण और रचनात्मक शिक्षा के समन्वय से बच्चों को मिल रही उज्ज्वल भविष्य की नींव

मुंगेली/मूक पत्रिका

राज्य शासन की बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जीवंत मिसाल बनकर उभरा है विकासखंड मुंगेली अंतर्गत ग्राम चारभाटा का आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र। यह केंद्र आज केवल एक शासकीय संस्था नहीं, बल्कि गाँव के नन्हें बच्चों के समग्र विकास का प्रेरणास्रोत बन गया है। यहाँ बच्चों को नियमित रूप से रेडी-टू-ईट एवं संतुलित पोषक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही खेल आधारित शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से उनका बौद्धिक, मानसिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शिक्षा में नवाचारों को अपनाते हुए अक्षर ज्ञान, रंगों की पहचान, गिनती, पहेलियाँ, कहानी-वाचन एवं चित्र-पहचान जैसी गतिविधियों को रुचिकर और संवादात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

चित्रों और रंगों से सजी दीवारें बनीं सीखने का माध्यम-

केंद्र की दीवारों पर चित्रकारी, प्रेरक नारे और शैक्षणिक चित्रों के माध्यम से बच्चों को सहज एवं मनोरंजक वातावरण में सीखने का अवसर मिल रहा है। बच्चों की उम्र और रुचि के अनुसार चुनी गई शिक्षण सामग्री, खिलौने और सामूहिक खेल, शिक्षा को खेल का रूप देते हैं, जिससे बच्चे सहज रूप से ज्ञान अर्जित कर पा रहे हैं।

स्वास्थ्य और पोषण पर भी विशेष ध्यान

आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र चारभाटा की पर्यवेक्षक श्रीमती अहिल्या कोशले ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में तीन से 06 वर्ष के 28 बच्चे हैं। इनको नियमित रूप से रेडी-टू-ईट, पोषक आहार, पोहा तथा गर्म भोजन प्रदान किया जाता है, जो बच्चों में कुपोषण दूर करने में भी सहायक है। साथ ही बच्चे भी खुशी-खुशी आंगनबाड़ी आते हैं। बच्चों को आयु के अनुसार संतुलित आहार मिलने से उनके शारीरिक स्वास्थ्य में भी सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका द्वारा बच्चों की दैनिक गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाती है। पोषण और शिक्षा का यह संतुलन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में ठोस कदम है।

अभिभावकों का विश्वास, प्रशासन का सहयोग

गांव के अभिभावकों द्वारा इस केंद्र की कार्यप्रणाली की खुले दिल से सराहना की जा रही है। बच्चे अब नियमित रूप से आंगनबाड़ी आना पसंद कर रहे हैं, जिससे उपस्थिति दर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। चारभाटा का यह आंगनबाड़ी केंद्र इस बात का प्रमाण है, कि जब समर्पित कार्यकर्ता, पर्याप्त संसाधन और प्रशासनिक सहयोग एक दिशा में काम करते हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाल शिक्षा और पोषण के क्षेत्र में असाधारण बदलाव संभव हैं। यह केंद्र आज खेल, पोषण और शिक्षा का त्रिवेणी संगम बनकर उभर रहा है, जो राज्य में अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पेद्दाकोरमा-बोड़ला पुसनार के जंगल से तीन सक्रिय माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में माओवादी विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी बीजापुर, कोबरा 201, 202 और केरिपु 222 बटालियन की संयुक्त टीम ने पेद्दाकोरमा और बोड़ला पुसनार के मध्य जंगल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए तीन सक्रिय माओवादियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए माओवादियों की निशानदेही पर जंगल में छिपाकर रखे गए माओवादी वर्दी, पिट्ठू बैग, नक्सली साहित्य, पोच, बेल्ट और एक रंगीन प्रिंटर बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कल्लू हपका, उम्र 22 वर्ष, निवासी बोड़ला पुसनार, सुक्की हेमला, उम्र 50 वर्ष, निवासी बोड़ला पुसनार, और सोमा उईका, उम्र 35 वर्ष, निवासी पोंजेर शामिल हैं। तीनों जनताना सरकार के सदस्य बताए गए हैं और 29 जुलाई को पेद्दाकोरमा-बोड़ला पुसनार जंगल में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ की घटना में शामिल थे। थाना कोतवाली बीजापुर द्वारा आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही कर उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त का हुआ हस्तांतरण,18409 किसानों को मिली राहत

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के हजारों किसानों को एक बार फिर आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीते शनिवार 2 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से योजना की 20वीं किस्त जारी की गई, जिसके अंतर्गत बीजापुर जिले के 18,409 कृषकों के बैंक खातों में कुल 4.03 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई।इस अवसर पर कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से लगभग 200 कृषक उपस्थित रहे।समारोह के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष उप संचालक कृषि प्रताप सिंह कुशरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख अरुण सकनी, सहायक संचालक कृषि कृष्णा कुमार व चुरेंद्र देवांगन, विषय विशेषज्ञ भूपेंद्र ठाकुर तथा कार्यक्रम सहायक अरविंद आयाम उपस्थित रहे।अधिकारियों ने कार्यक्रम के दौरान किसानों को योजना के लाभ, कृषि उन्नयन की तकनीकों, और फसल बीमा योजना की जानकारी दी। किसानों ने सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया।

जानकी कोरसा रही। उनके साथ कृषि स्थायी समिति के सभापति शंकरैया माड़वी, समिति सदस्य कविता कोरम, जिला पंचायत सदस्य प्रीति आरकी, सामंतीन कोरसा, मथियस कुजूर, जनपद पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा तेलम, ग्राम पंचायत ईटपाल की सरपंच अनीता कटेम,

कृषक सम्मेलन के माध्यम से वर्चुअली जुड़े प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मुंगेली के 91 हजार से अधिक किसानों को मिली 20वीं किस्त

जिले में 18 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि का हुआ अंतरण

मुंगेली/मूक पत्रिका

किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत बीते शनिवार को 20वीं किस्त का भुगतान किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किसान सम्मेलन के माध्यम से वर्चुअली देशभर के किसानों को संबोधित किया। कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में मुंगेली के करही में कृषि प्रशिक्षण सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कृषक सम्मेलन में 91 हजार 752 पात्र किसानों के खाते में 18 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई।कार्यक्रम में मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल, उप संचालक कृषि तिग्गा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकान्त पाण्डेय, उपाध्यक्ष शांति देववरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार समेत अनेक जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इसी तरह विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम लोरमी और पथरिया में आयोजित किया गया, जिसमें जनता सदस्य एवं जनप्रतिनिधि सहित किसान उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति वर्ष 06 हजार रुपए की सहायता राशि तीन किस्तों में दी जाती है। वर्ष 2019 से प्रारंभ इस योजना की अब तक 20 किस्तों का वितरण हो चुका है ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।